दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

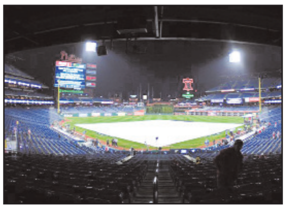

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 34 | ग्वालियर, बुधवार 02 नवम्बर 2022 | पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पीएम मोदी ने कहा, दुर्भाग्य आदिवासियों के बलिदान को इतिहास में जो जगह मिलनी थी, वह नहीं मिली

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले पहुंचे पीएम मोदी ने मंगलवार को मानगढ़ धाम में स्वतंत्रता सेनानी गोविंद गुरु को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने बड़ी घोषाण कर मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर दिया है। पीएम मोदी मानगढ़ धाम की गौरव गाथा में शामिल हुए। इस मौके पर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान और गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में हम सभी का मानगढ़ धाम आना, ये हम सभी के लिए प्रेरक और सुखद है। मानगढ़ धाम जनजातीय वीर-वीरांगनाओं के तप, त्याग, तपस्या और देशभक्ति का प्रतिबिंब है। ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की साझी विरासत है। पीएम मोदी ने कहा कि गोविंद गुरु जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की परंपराओं और आदर्शों के प्रतिनिधि थे। वह किसी रियासत के राजा नहीं थे लेकिन वह लाखों आदिवासियों के नायक थे। अपने जीवन में उन्होंने अपना परिवार खो दिया, लेकिन हौसला कभी नहीं खोया। पीएम ने कहा कि 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ में जो नरसंहार हुआ वह अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पराकाष्ठा थी। दुनिया को गुलाम बनाने की सोच मानगढ़ की इस पहाड़ी पर अंग्रेजी हुकूमत ने 1500 से ज्यादा लोगों को घेरकर के उन्हें मौत के घाट उतारा था। दुर्भाग्य से आदिवासी समाज के बलिदान को इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए वह नहीं मिली। आज देश उस कमी को पूरा कर रहा है। भारत का अतीत, इतिहास, वर्तमान और भविष्य आदिवासी समाज के बिना पूरा नहीं होता है। हमारी आजादी की लड़ाई का पग-पग, इतिहास का पन्ना-पन्ना आदिवासी वीरता से भरा पड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, गोविंद गुरु का वहां चिंतन, वहां बोध, आज भी उनकी धुनी के रूप में, मानगढ़ धाम में अखंड रूप से प्रकाशित हो रहा है। सम्प सभा के आदर्श, आज भी एकजुटता, प्रेम और भाईचारा की प्रेरणा दे रहे हैं। 1780 में संथाल में तिलका मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम लड़ा गया।

मोदी सरकार की सख्ती, प्रोडक्ट के बंद होने पर कंपनी को देनी होगी ग्राहकों को सर्विस

नया कानून लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। अब कंपनियां सामाना बेचकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती हैं। कंपनियों को अपने ब्रिकी किए गए प्रोडक्ट की सर्विस ग्राहकों को देनी होगी। कंपनी भले ही बाद में उस प्रोडक्ट को बनाना बंद कर दे। मोदी सरकार अब इसके लिए नया नियम लाने की तैयारी कर रही है। मोदी सरकार ने घरेलू उपकरण बनाने वाली 23 कंपनियों को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। इससे सामान खरीदने के बाद लोगों को परेशान नहीं होना होगा। अभी तक कई कंपनियां प्रोडक्ट बेचने के बाद कई बार ग्राहकों को सर्विस नहीं उपलब्ध कराती हैं। वहीं अगर कंपनी किसी प्रोडक्ट को बनाना बंद कर दे, तब ग्राहक को बाद में उसकी रिपेयरिंग कराने के लिए सामान भी नहीं मिलता है। लेकिन अब ग्राहकों को जल्द ही ऐसी समस्या से छुटकारा मिलने वाला है। घरेलू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा के लिए, केंद्र ने शीर्ष उपभोक्ता फर्मों को पत्र लिखा है। मोदी सरकार ने इन फर्मों से अपने प्रोडक्ट की रिपेयर पॉलिसी की जानकारी साझा करने के लिए कहा है। रिपोर्टस के मुताबिक, मोदी सरकार के केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस मुद्दे पर एलजी, सैमसंग, हैवेल्स, फिलिप्स, सोनी, ब्लूस्टार, पैनासोनिक सहित अन्य कंपनियों से संपर्क किया है।

मेरी प्रतिष्ठा को नष्ट करने के लिए मुख्य चुनाव आयोग के खिलाफ मानहानि का केस करुंगा : इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग के प्रमुख पर निशाना साधकर घोषणा की कि वह अयोग्य घोषित करके उनकी प्रतिष्ठा को नष्ट करने के लिए

उनके खिलाफ 10 अरब रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर करुंगा। खान ने घोषणा की है कि उनका उद्देश्य इस्लामाबाद तक मार्च के माध्यम से हकीकी आजादी (वास्तविक स्वतंत्रता) हासिल करना था, जो उनके शब्दों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने पर संभव था। खान को इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी चुनाव आयोग (ईसीपी) के पांच सदस्यीय पैनल द्वारा वर्तमान नेशनल असेंबली की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया गया था, जिसके प्रमुख सिकंदर सुल्तान राजा थे। खान ने अपने लंबे मार्च के चौथे दिन की शुरुआत में कहा सिकंदर सुल्तान, मैं आपको अदालत ले जाऊंगा... ताकि भविष्य में आप किसी और के निर्देश पर किसी की प्रतिष्ठा को नष्ट न करें। उन्होंने आरोप लगाया कि तोशाखाना में उनके खिलाफ ईसीपी के फैसले और प्रतिबंधित फंडिंग के मामले मौजूदा ÷आयातित सरकार÷ के निर्देश पर दिए गए थे। आप (सिकंदर) चोरों के दोस्त हैं और आप पर कार्रवाई होगी। पाकिस्तानी कानून के अनुसार, किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी या तोशाखाना में रखा जाना चाहिए।

खास खबर

हैलोवीन की रात गोलीबारी एक व्यक्ति की मौत, 20 लोग हुए घायल

वॉशिंगटन। अमेरिकी शहरों कैंसास सिटी और शिकागो में दो अलग-अलग गोलीबारी के मामलों में हैलोवीन की रात एक व्यक्ति की मौत हुई और लगभग 20 लोगों के घायल होने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक हैलोवीन की रात हुई गोलीबारी में सात लोगों को गोलियां मारी गई थीं। शहर पुलिस प्रमुख ने कहा कि कैंसास सिटी में घर में गोलीबारी में पांच से सात लोगों को गोलियां लगी थीं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। उस घर में सोमवार रात करीब 70-100 किशोर पार्टी कर रहे थे। ओकमैन ने बताया कि जब घर के मालिकों द्वारा लोगों को पार्टी के बाद घर जाने को कहा गया, तब उसमें से कुछ अज्ञात लोगों ने भारी फायरिंग शुरू कर दी जिसमें सात लोगों को गोलियां लगने की खबर है। वहीं शिकागो में दो बच्चों और एक किशोर सहित 14 लोग एक ड्राइव-बाय शूटिंग में घायल हो गए जिसमें किसी के मरने की पुष्टि नहीं हुई है। घायलों में तीन नाबालिगों सहित सात की हालत गंभीर है, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।

तुर्की से यात्रियों को लेकर आ रही नौका डूबी, दर्जनों लापता

अंकारा। तुर्की से आ रही एक नौका एविया और एंड्रोसो के द्वीप के बीच पलट गई, जिसके बाद उसमें सवार दर्जनों प्रवासी लापता हैं। घटना के बाद व्यापक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया है। तटरक्षकों ने कहा कि यूनान की राजधानी एथेंस के पूर्व में स्थित इन द्वीपों के कफीरा जलडमरूमध्य में एक निर्जन टापू पर नौ लोग मिले हैं। सभी पुरुष हैं। तटरक्षकों द्वारा गश्ती नौका के जरिए बचाए गए लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका जब डूबी तब उसमें लगभग 68 लोग सवार थे और वे लोग तुर्की के तट पर इजमिर से रवाना हुए थे। अधिकारियों को मंगलवार तड़के नौका में सवार यात्रियों की ओर से घटना की सूचना मिली कि वे मुश्किल में हैं। हालांकि वे यह नहीं बता पाए कि वे किस जगह फंसे हुए हैं। तटरक्षकों ने कहा कि एक हेलीकॉप्टर, एक तटरक्षक गश्ती नौका और पास में तैनात दो जहाजों को खोज एवं बचाव अभियान में लगाया गया है।

माथेरान में मिनी ट्रेन के ट्रैक पर मिले लोहे के टुकड़े, साजिश की आशंका

मुंबई। मध्य रेलवे के नेरल स्टेशन से माथेरान की रानी (मिनी ट्रेन) की सेवा शुरू हाल ही में शुरू हुई है. इस बीच नेरल स्टेशन से कुछ दूरी पर मिनी ट्रेन की रेल पटरी पर लोहे के स्लीपर थे। मोटरमैन की सूझबूझ से समय रहते इस बात का पता चल गया और बड़ा हादसा होने से टल गया। लेकिन क्या यह साजिश था? ऐसा सवाल अब उठाया जा रहा है। दरअसल माथेरान की रानी के नाम से मशहूर यह मिनी ट्रेन एक हफ्ते से भी कम समय से चल रही है. अज्ञात लोगों द्वारा उसे रोकने की कोशिश करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। रविवार 30 अक्टूबर को किसी ने इस मिनी ट्रेन के रास्ते में रेलवे ट्रैक का टुकड़ा काटकर मार्ग में बाधा डालने का प्रयास किया। जैसे ही नेरल से मिनी ट्रेन आधे रास्ते माथेरान पहुंची, मोटरमैन ने अमन लॉज और वाटर पाइप रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक पर दो मीटर लंबे रेल के टुकड़े के साथ लोहे के कुछ टुकड़े देखे। मोटरमैन दिनेश चंद मीणा ने देखा कि रेलवे ट्रैक का यह टुकड़ा एक जगह नहीं बल्कि दो जगहों पर रखा गया था। उसके बाद, मोटरमैन मीणा ने मिनी ट्रेन को रोका और अपने साथियों की मदद से ट्रैक के इस टुकड़े को ट्रैक पर से हटा दिया और फिर ट्रेन लेकर आगे बढ़े. मोटरमैन की सूझबूझ और तुरंत ब्रेक लगने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

मोरबी पुल दुर्घटना मानव-निर्मित नहीं, सरकार-निर्मित आपदा, मुख्यमंत्री इस्तीफा दें : दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मोरबी पुल दुर्घटना को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इस्तीफे की मांग की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष जगदीश

ठाकोर और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मोरबी का दौरा किया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस आपदा के लिए सरकार जिम्मेदार है और मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। सिंह ने कहा, मैं कोई राजनीति नहीं करना चाहता, लेकिन मुझे पता चला है कि जब रविवार शाम पुल गिरा, तब भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के मंत्री, सांसद, जिलाधिकारी और मोरबी जिले के पुलिस अधीक्षक पास ही एक स्थान पर बैठक कर रहे थे। उन्होंने बैठक जारी रखी और उसी समय यहां नहीं आए। सिंह ने पूछा कि अधिकारियों से बिना किसी (फिटनेस) प्रमाण पत्र के पुल को जनता के लिए कैसे खोल दिया उन्होंने कहा, यह मानव-निर्मित नहीं, सरकार-निर्मित आपदा है और गुजरात के मुख्यमंत्री को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा देना चाहिए। इतने सारे लोगों को पुल पर क्यों जाने दिया गया? जवाबदेही तय की जानी चाहिए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

कांग्रेस शासन में सैनिकों के सिर कटते थे, हमने पाक में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया : शाह

शिमला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश के भटियात विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी विक्रम जरियाल के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले आठ सालों में देश अनेक बड़े बदलावों का गवाह रहा है। कांग्रेस के शासनकाल में सैनिकों के सिर कटते थे और केंद्र सरकार चुपचाप देखती रहती थी, जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है हमने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया है।

अपने संबोधन की शुरुआत 'भारत माता की जय' के नारे से करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि मैं विक्रम जरयाल को लगातार तीसरी बार यहां से जिताने का आशीर्वाद लेने भटियात की जनता के पास आया हूं। शाह ने कहा देवभूमि हिमाचल को मेरा प्रणाम। उन वीर माताओं को प्रणाम, जिनके बेटे देश की सरहदों की रक्षा करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने से पीछे नहीं हटते। सेना में प्रतिशतता के हिसाब से सबसे अधिक हिमाचल के जवान हैं। मणिमहेश, कार्तिक स्वामी व नाग मंडोर को भी प्रणाम। जरयाल की जीत निश्चित है। केंद्रीय गृहमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की जनता से कहा नया रिवाज बनाइए, एक बार फिर भाजपा की सरकार लाइए। बार-बार भाजपा। कांग्रेस नेता टोपी की राजनीति करते हैं। मगर आज से लाल टोपी भी भाजपा की और हरी टोपी भी। राहुल बाबा कान खोल कर सुन लो, हिमाचल प्रदेश का चप्पा-चप्पा भाजपा का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली में भी और हिमाचल में भी मां-बेटे की पार्टी है। मगर भाजपा सबकी पार्टी है। कांग्रेस सरकार ने हिमाचल प्रदेश के बजट को 90-10 से 60-40 कर दिया था। मगर भाजपा ने फिर से इसे 90-10 करके प्रदेश का विकास करवाया है। कांग्रेस की सरकारें घोटालों की रही हैं, 12 लाख करोड़ के घोटाले किए हैं। अब लोकतंत्र में राजा-रानी नहीं जनता का राज चलता है। अमित शाह ने कहा कि चंबा जिला में प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 2 पावर प्रोजेक्ट दिए हैं। केंद्र सरकार ने 10 अस्पतालों को हिम केअर व आयुष्मान योजना के तहत पंजीकृत किया गया है। 360 बेड का मेडिकल कॉलेज सरोल में बन रहा है।

जहां से सस्ता कच्चा तेल मिलेगा वहां से खरीदेंगे, भारत पर कोई दबाव नहीं

अबु धाबी। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत ने एकबार फिर से अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दो टूक कहा कि रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत किसी भी नैतिक दबाव में नहीं है। हम वहीं से तेल खरीदने

वाले हैं, जहां हमें सस्ता मिलेगा। पुरी ने कहा कि बिल्कुल नहीं, इसमें कोई नैतिक मतभेद नहीं है। अगर कोई वैचारिक स्थिति का लाभ लेना चाहता है, तब इसकी कोई गुंजाइश नहीं है। हम जहां से चाहें वहां से तेल खरीद सकते हैं। हमें जहां भी कच्चा तेल उपलब?ध मिलेगा और सस्ता होगा, हम वहीं से खरीदने वाले हैं। पुरी ने भारत की तेल खरीद का बचाव कर कहा कि भारत पहले सिर्फ 0.2 फीसदी ही तेल रूस से खरीदता था। यह यूरोप के कुछ घंटों की तेल खरीद के बराबर भी नहीं था। पुरी ने कहा कि सबसे पहले हमें अपना लक्ष?य देखना चाहिए। हमने वित्तवर्ष 2021-22 में रूस से सिर्फ 0.2 फीसदी तेल खरीदा जो यूरोप के मुकाबले कुछ भी नहीं था। अब हम अपनी तेल खरीद बढ़ाना चाहते हैं और अगर रूस हमें अपना तेल दे रहा है, तब हम बिलकुल आगे बढ़ने वाले हैं। अगर अमेरिका व अन्य पश्चिमी देश रूस से तेल खरीद को लेकर अपने प्रतिबंधों को आगे बढ़ाते हैं, तब क्या भारत के पास कोई बैक अप प्लान है। इसके जवाब में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, हमारे पास कई बैक अप प्लान हैं। हम ऐसी कोई संभावना नहीं देख रहे जिसका आप अंदाजा लगा रहे हैं। इस बारे में हमने अमेरिका और यूरोप के साथ बातचीत भी की है और मोदी सरकार कोई दबाव महसूस नहीं कर रही। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारा विशाल बाजार कोई भी बदलाव ला सकता है।

भाजपा का आरोप महाठग सुकेश को भी ठग लिया आप के मंत्री सत्येंद्र जैन

केजरीवाल के लिए जेल से वूसली जारी है

नई दिल्ली। मंडोली जेल से लिखे गए महाठग सुकेश चंद्रशेखर के लेटर बम से दिल्ली की राजनीति में भूकंप आ गया है। पत्र में मनी लान्ड्रिंग के आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन पर प्रोटेक्शन मनी के रूप में 10 करोड़ रुपये लेने के आरोप लगाए हैं। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ कांग्रेस भी हमलवार है। दिल्ली के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने ट्वीट किया, सुकेश जैसे अपराधी से पैसे लिए हैं, तब तिहाड़ जेल में बंद आतंकवादियों, हत्यारों और दुष्कर्मियों से भी पैसे लेते रहे होंगे सत्येंद्र जैन और केजरीवाल। वहीं, मामले में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पत्र लिखकर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला है। गुप्ता का कहना है कि दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले छह माह से जेल में हैं और जेल से ही वसूली कर रहे हैं। ठगी के आरोप में बंद सुकेश चंद्रशेखर से ठगी कर रहे हैं। जेल में उन्हें विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं। सुकेश ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि जेल में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जैन उनसे प्रति माह दो करोड़ ले रहे हैं। अबतक दस करोड़ देने की आरोप लगाया है। जेल से आम आदमी पार्टी नेतृत्व के लिए वसूली की जा रही है। इसकारण मुख्यमंत्री ने उन्हें अभी तक पद से नहीं हटाया गया। उनके खिलाफ यह तीसरा मामला है, उन्हें तुरंत बर्खास्त किया जाए। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने भी कहा है कि केजरीवाल किस अपराध के बाद सत्येंद्र जैन को मंत्री पद से हटाएंगे। जेल में उन्हें सभी सुविधाएं मिल रही हैं।

मोरबी दुर्घटना के दो दिन बाद भी ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल का कोई अता पता नहीं

अहमदाबाद। मोरबी दुर्घटना के दो दिन बीतने के बाद भी केबल ब्रिज के संचालक और ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल का कोई अता पता नहीं है जयसुख पटेल के दफ्तर और निवास पर ताले लटके हुए हैं पुलिस ने एफआईआर दर्ज मोरबी दुर्घटना के संदर्भ में 9 लोगों को गिरफ्तार किया है हांलाकि एफआईआर में जयसुख पटेल का नाम नहीं है बता दें कि रविवार को मोरबी में मच्छू नदी पर बने केबल ब्रिज टूटने से 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे मोरबी नगर पालिका ने इस केबल ब्रिज को मार्च 2022 में एक खास करार के आधार पर ओरेवा कंपनी को 15 वर्ष के लिए लीज पर दिया था जिसके बाद 143 वर्ष पुराने केबल ब्रिज का ओरेवा कंपनी ने 2 करोड़ रुपए की लागत से रिनोवेशन कराया था7 रिनोवेशन के लिए करीब 6 महीने तक ब्रिज आम लोगों के लिए बंद था दिवाली त्यौहारों के दौरान ओरेवा कंपनी पत्रकार परिषद में ब्रिज के रिनोवेशन को लेकर बड़े बड़े दावे किए थे लेकिन पांच दिन के भीतर केबल ब्रिज टूट गया और इस घटना में 140 से अधिक लोगों की मौत हो गई घटना के बाद सामने आया कि ब्रिज के रिनोवेशन में केवल एल्यूमिनियम की फ्लोरिंग और कुछ वेल्डींग काम के साथ ही रंग रोगन कर आम लोगों के लिए खोल दिया गया था इतना ही नहीं रिनोवेशन के बाद मोरबी नगर पालिका से फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं लिया गया था बीते दिन मोरबी नगर पालिका के चीफ ऑफीसर संदीपसिंह झाला ने बताया कि ओरेवा कंपनी ने बगैर प्रशासन को जानकारी दिए बगैर ब्रिज लोगों के लिए खोल दिया था ब्रिज के उदघाटन समारोह में नगर पालिका का कोई सदस्य या कोई अधिकारी नहीं दिखा।

रुसी हमलों के बाद यूक्रेन के 80 प्रतिशत घरों में पानी की आपूर्ति ठप्प, 3.5 लाख घरों में बिजली नहीं

कीव। यूक्रेन-रूस में जारी जंग के बीच बड़ी खबर है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई शहरों में पानी और बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। यूक्रेन में पानी के लिए लोग तरसने लगे हैं और ज्यादातर इलाके में अंधकार छा गया है। इस युद्ध को नौ महीने हो चुके हैं। रूस ने यूक्रेन के बिजली संयंत्रों और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचों को निशाना बनाकर अपने हमले तेज कर दिए हैं। रूस की रणनीति के परिणामस्वरूप यूक्रेन के बड़े हिस्से पहले से ही बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं। दरअसल, यूक्रेन में अब बिजली और पानी के लिए हाहाकार मच गया है। रूस की ओर से कीव में बुनियादी ढांचों पर हमला किया गया है। कीव में 80 फीसदी से अधिक घरों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो चुकी है। 3.5 लाख घरों की बिजली प्रभावित भी हुई है। इस बढ़ती सर्दी में यह किसी सितम से कम नहीं है। पीने के पानी की भी समस्या भी उत्पन्न हो रही है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सुरक्षाबलों ने 'यूक्रेन की सैन्य कमान और ऊर्जा प्रणालियों को निशाना बनाकर हवा और पानी में मार करने वाले लंबी दूरी के हथियारों के साथ हमले किए।' इस बीच, दुनिया भर में खाद्य संकट का खतरा पैदा करने वाली नाकाबंदी को फिर से लागू करने की रूसी धमकी के बावजूद सोमवार को यूक्रेन के बंदरगाहों से अनाजों से भरे हुए 12 जहाज रवाना हुए। यूक्रेनी प्रधानमंत्री डेनिस श्यामल ने कहा कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने 10 यूक्रेनी क्षेत्रों को निशाना बनाकर 18 बुनियादी ढांचों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिनमें से ज्यादातर ऊर्जा संयंत्र थे। उन्होंने कहा कि यदि यूक्रेनी सेना ने अधिकतर रूसी मिसाइलों को नहीं मार गिराया होता, तब हमले के परिणाम बेहद गंभीर हो सकते थे। कीव के कई हिस्सों में सोमवार तड़के धमाकों की तेज आवाजें सुनी गईं। सुबह-सुबह अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे कई लोगों को आपातकालीन विभाग की ओर से मिसाइल हमलों के बारे में चेतावनी वाले संदेश मिले। शहर में इस दौरान करीब तीन घंटे तक हवाई हमलों के खतरे के सायरन बजते रहे। कीव के मेयर वितोली कलितस्चको ने बताया कि हमलों के कारण यूक्रेन की राजधानी के एक हिस्से में बिजली व पानी की आपूर्ति ठप है। उन्होंने कहा कि कीव में रहने वाले करीब 80 प्रतिशत लोगों को पानी की आपूर्ति बाधित हुई है।

न्यूज़ ट्रैक....

बांग्लादेश दौरे पर भारत को खेलना है 3 वनडे और 2 टेस्ट

ढाका । बांग्लादेश दौरे के लिए बीसीसीआई ने टीम की घोषणा कर दी है। बांग्लादेश के दौरे पर भारत को 3 वनडे और 2 टेस्ट खेलने हैं। टेस्ट टीम की कमान रोहित शर्मा के पास है। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। हालांकि जसप्रीत बुमराह चोट के कारण इस दौरे से भी बाहर हैं। सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव भी टेस्ट टीम में शामिल हैं। भारत को यहां 3 वनडे भी खेलने हैं। इस टीम में रोहित, कोहली, धवन और राहुल सभी दिखेंगे। इसके अलावा रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी को भी मौका मिला है।भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी20 वर्ल्ड कप से पहले घायल हो गए थे। उनके टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद मोहम्मद शमी को शामिल किया गया। वे मौजूदा वर्ल्ड कप से पहले लगभग एक साल तक कोई टी20 इंटरनेशनल का मुकाबला नहीं खेले थे। ऐसे में टीम मैनेजमेंट की नजर तेज गेंदबाजों को तैयार करने पर है। इस कारण यश दयाल और कुलदीप सेन को मौका मिला है। दोनों का प्रदर्शन घरेलू टूर्नामेंट में अच्छा रहा है। भारत में अगले साल वनडे वर्ल्ड कप और 2024 में टी20 वर्ल्ड कप होना है। कुल मिलाकर सेलेक्टर्स इसी की तैयारी में जुटे हुए हैं। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के लिए अभी भी रोहित शर्मा और विराट कोहली रेस में बने हुए हैं।

फेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता बोर्ड

एडीलेड । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को दुनिया भर में विभिन्न फ्रेंचाइजी लीग में खेलने से नहीं रोक सकता क्योंकि वह उन्हें वित्तीय सुरक्षा नहीं मुहैया कराता। यह कहना है पूर्व कप्तान डेरेन सैमी का। सैमी ने आगे कहा कि वेस्टइंडीज की टीम यहां खेले जा रहे टी20 विश्व कप के सुपर 12 के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी। टीम के गिरते स्तर पर बात करते हुए सैमी की आंखें इस दर्द को बयां करती हैं।दो टी20 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान सैमी का इससे हताश और नाराज होना लाजमी है। वह बहुत स्पष्ट हैं कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की तरह वेस्टइंडीज बोर्ड अपने खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी लीग में भाग लेने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, 'भारत मजबूत है क्योंकि वे अपने खिलाड़ियों को कह सकता है कि आप कहीं और नहीं खेल सकते। आपको समझना होगा कि उनके पास पैसा है, इसलिये वे उन्हें रोक सकते हैं।'

-कप्तान रोहित और कोच राहुल के सामने है दो बड़े काम

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में क्या होगा टीम में बदलाव?

नई दिल्ली । भारतीय टीम एडिलेड पहुंच चुकी है, जहां उसे 2 नवंबर को बांग्लादेश से भिड़ना है। इस मैच से पहले कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के सामने दो बड़े काम हैं। पहला पर्थ में मिली हार की वजह तलाशना और दूसरा, उस हार से सीख लेते हुए बांग्लादेश के खिलाफ ऐसा प्लेइंग-इलेवन चुनना, जो जीत दिला सके। मालूम हो कि टीम इंडिया को बीते रविवार को टी20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह टूर्नामेंट में भारत की पहली हार थी। पर्थ की तेज और उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे।हालांकि, अंतिम-11 को चुनने को लेकर जरूर कोच और कप्तान के सामने दुविधा होगी। खासतौर पर केएल राहुल और दिनेश कार्तिक के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए।केएल राहुल के लिए अबतक टी20 वर्ल्ड कप अच्छा नहीं बीता है। अब तक खेले 3 मैच में उनका स्कोर 4, 9 और 9 रहा है। बल्लेबाजी के दौरान उनमें आत्मविश्वास नजर नहीं आ रहा है। उनके पैर चल नहीं रहे हैं। वो गेंद की लाइन और लेंथ को पढ़ नहीं पा रहे हैं।

ऐसे में यह सवाल खड़ा होता है कि क्या भारतीय टीम आगे के मुकाबलों में भी बतौर ओपनर राहुल पर ही भरोसा जताएगी या फिर ऋषभ पंत या किसी और बल्लेबाज को टॉप ऑर्डर में मौका देगी? और पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाकाम रहने के बाद भी क्या दिनेश कार्तिक ही मैच फिनिशर की भूमिका निभाएंगे।हालांकि, सोमवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया गया, तो उसमें कार्तिक का नाम नहीं था लेकिन चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में टीम मैनेजमेंट के चयन विकल्पों पर कुछ भी कहने से परहेज करते हुए कहा कि प्लेइंग-इलेवन चुनना उनका विशेषाधिकार है। केएल राहुल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज और अभ्यास मैच में लगातार 4 अर्धशतक लगाने के बाद टी20 वर्ल्ड कप में खेलने उतरे हैं लेकिन, इसके बाद से ही वो रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भी एक डिफेंसिव शॉट खेलते हुए वो आउट हो गए थे। नीदरलैंड्स के खिलाफ वो अंदर आती गेंद को भांप नहीं पाए और एलबीडब्ल्यू हो गए। हालांकि, वो रिव्यू लेते तो शायद बच जाते। क्योंकि गेंद लेग स्टम्प को मिस कर रही थी।

वहीं, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तो उन्होंने सीधे स्लिप में ही कैच थमा दिया था।नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के दौरान सुनील गावस्कर ने कहा था कि केएल राहुल के बाएं पैर का पहला मूवमेंट उन्हें परेशानी में डाल रहा है। अगर वो इस कमजोरी को दूर नहीं करेंगे, तो परेशानी में आएंगे। वो यह फैसला नहीं कर पा रहे हैं कि उन्हें फ्रंटफुट या बैकफुट पर जाना है या अपनी जगह पर ही खड़े रहकर खेलना है। अब तक टीम मैनेजमेंट ने फर्स्ट चॉइस ओपनर के तौर पर केएल राहुल पर भरोसा जताया है। अब भारत को जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के खिलाफ दो मैच खेलने हैं। यह दोनों ही टीमें करीब-करीब एक जैसी हैं। ऐसे में यह हो सकता है कि टीम इंडिया बाकी बचे मुकाबलों में भी राहुल के साथ ही जाए। ताकि वो सेमीफाइनल से पहले लय हासिल कर सके।37 साल के दिनेश कार्तिक को सेलेक्टर्स ने मैच फिनिशर के तौर पर टी20 विश्व कप के लिए चुना था। वो डेथ ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए चुने गए थे।

हालांकि, इस रोल में वो खरे नहीं उतरे। पाकिस्तान के खिलाफ, वो दूसरी गेंद पर ही स्पिनर के खिलाफ बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टम्प हो गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तो सिर्फ कार्तिक ही नहीं, बल्कि पूरी बल्लेबाजी फ्लॉप रही थी। सिर्फ सूर्यकुमार यादव चमके थे। ऐसे में केएल राहुल की तरह ही कार्तिक के मामले में भी यह तर्क दिया जा सकता है कि कार्तिक के पास भी अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ कुछ रन बनाने का बेहतर मौका हो सकता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि टूर्नामेंट अपने आखिरी पड़ाव की तरफ पहुंच रहा है, ऐसे में कब तक टीम मैनेजमेंट कार्तिक पर यकीन बनाए रखता है।ऋषभ पंत को अब तक टी20 वर्ल्ड कप में मौका नहीं मिला है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिनेश कार्तिक की कमर में चोट लग गई थी। ऐसे में आखिरी के कुछ ओवर में पंत ने विकेटकीपिंग की थी।

अगर कार्तिक बांग्लादेश के खिलाफ मैच के लिए फिट नहीं होते हैं तो पंत का खेलना तय है। पूर्व भारतीय ओपनर भी पंत को ऑस्ट्रेलिया में कार्तिक से बेहतर विकल्प मान रहे हैं। अगर इस साल टी20 में दोनों बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट को देखें तो बहुत अंतर नहीं है।

गलतियों को सुधारने पर काम करेगी टीम: हरमप्रीत सिंह

भुवनेश्वर । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमप्रीत सिंह ने कहा कि टीम आगामी मुकाबलों से पहले अपनी गलतियों को सुधारने पर काम करेगी। यह बात कप्तान ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) हॉकी प्रो लीग में स्पेन के हाथों मिली हार के बाद कही। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत को मैच खत्म करने के कौशल पर काम करने की जरूरत है।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हमने बहुत सारे मौके बनाए थे। हमें पेनल्टी कार्नर भी मिले, लेकिन कभी-कभी उन मौकों को भुनाने पर काम नहीं कर पाते हैं। हमें अगले सप्ताह दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम अवसरों को जीत में बदल सकेंगे।% स्पेन ने यहां रोमांचक मुकाबले में भारत को 3-2 से मात दी। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरे दबाव के साथ खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए, हम आक्रमण के मौके बना सकते हैं। हम कई पास रोकने और सकर्ल में प्रवेश करने में सक्षम थे, लेकिन हम अपनी फिनिशिंग में सुधार कर सकते हैं।भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में लगातार हौसला अफजाई करने के लिए भारतीय प्रशंसकों की प्रशंसा की और कहा इससे टीम को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा, 'कलिंगा स्टेडियम में एक बार फिर से खेलना बहुत अच्छा था। यह हमारा दूसरा घर है और हमें हमेशा यहां दर्शकों से भारी समर्थन मिलता है।% बता दें कि भारत को अपने अगले मैच में चार नवंबर को न्यूजीलैंड का सामना करना है। इससे पहले हरमनप्रीत की टीम प्रो लीग के अपने पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-3 से हरा चुकी है।

बीसीसीआई ने घोषित की न्यूजीलैंड-बांग्लादेश दौरे के लिए टीम

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड और बांग्लादेश दौरे के लिए बीसीसीआई ने टीम घोषित की। नई टीम में कई सीनियर खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड दौरे से आराम दिया गया है। घोषित टीम में हार्दिक पंड्या को टी20 टीम का जबकि शिखर धवन को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। फिर टीम को बांग्लादेश दौरे पर वनडे और टेस्ट सीरीज खेलनी है। यहां सीनियर खिलाड़ियों जैसे रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते हुए दिखेंगे। 2 विदेशी दौरे के लिए कुल 34 खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है और 3 कप्तान इस दौरान दिखाई देंगे। टीम इस दौरान एक टी20, 2 वनडे और एक टेस्ट सहित कुल 4 सीरीज खेलेगी। इससे साफ है कि आने वाले समय में पंड्या को टी20 टीम की कमान दी जा सकती है, लेकिन शिखर धवन जैसे सीनियर खिलाड़ी अभी भी टीम में बने हुए हैं। वे अगले साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की टीम का हिस्सा भी हो सकते हैं। पहले बात न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 टीम पर। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 वर्ल्ड कप के अधिकतर सीनियर खिलाड़ी टीम में नहीं हैं। जैसे विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, आर अश्विन, दिनेश कार्तिक, मोहम्मद शमी। लेकिन सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इस दौरे पर भी जाएंगे। वे इस साल सबसे अधिक टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। वनडे टीम की कमान धवन के पास है। वहीं तेज गेंदबाज कुलदीप सेन और उमरान मलिक को भी जगह मिली है। उमरान टी20 टीम में भी शामिल हैं।

कंगारू टीम के गेंदबाजों की जमकर की लॉर्कन ने ठुकाई

ब्रिसबेन । टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में विकेटकीपर लॉर्कन टकर ने कंगारू टीम के गेंदबाजों की जमकर ठुकाई की। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भले ही आयरलैंड को हरा दिया, लेकिन एक बार आस्ट्रेलियाई टीम दहशत में आ गई थी। मिशेल स्टार्क की जमकर धुलाई को ऑस्ट्रेलिया वर्षों नहीं भूलेगा। टकर ने 17वां ओवर करने आए मिशेल स्टार्क की ऐसी धुनाई की कि वह अपनी लाइनलेंथ ही भूल गए। स्टार्क के इस ओवर में 3 चौके पड़े, जबकि उन्होंने दो वाइड गेंदें भी कीं। ओवर में कुल 18 रन पड़े, जिसमें टकर ने 16 रन बल्ले से बनाए। टकर ने मैच में 48 गेंदों में 9 चौके और एक छक्का के दम पर नाबाद 71 रनों की तूफानी पारी खेली। हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। कप्तान आरोन फिंच ने अर्धशतक जड़कर फॉर्म में वापसी की जिससे गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड पर 42 रन की जीत से टी20 वर्ल्ड कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखीं। ऑस्ट्रेलिया ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए पांच विकेट पर 179 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में आयरलैंड की टीम 18.1 ओवर में 137 रन पर सिमट गई।

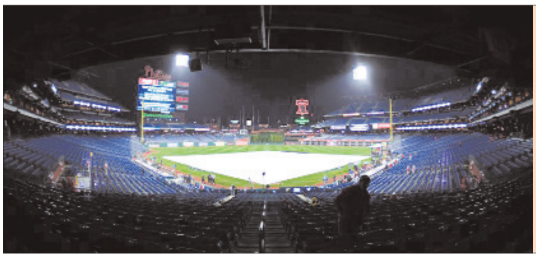

अमेरिका के फिलाडेल्फिया के पेंसिल्वेनिया स्थित सिटीजन बैंक पार्क में फिलाडेल्फिया फ़लीज़ और ह्यूस्टन एस्ट्रोस के बीच 2022 वर्ल्ड सीरीज़ के गेम तीन से पहले मैदान पर बारिश होने लगी।

व्यापार न्यूज

रुपया आठ पैसे बढ़कर 82.73 पर

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 82.73 रुपए पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.74 पर खुला और फिर बढ़कर 82.73 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की वृद्धि दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे गिरकर 82.81 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत गिरकर 111.31 पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,178.61 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

एशियाई बाजार में बढ़त पर कारोबार

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार मंगलवार को सुबह बढ़त पर खुले और हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज पर 0.66 फीसदी की बढ़त तो जापान का निक्केई 0.20 फीसदी के उछाल पर कारोबार कर रहा था। हांगकांग के बाजार में 2.69 फीसदी का जबरदस्त उछाल है तो ताइवान का बाजार 0.65 फीसदी की बढ़त पर कारोबार देखा गया। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 1.39 फीसदी की बढ़त बना चुका है, जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट पर 0.74 फीसदी की बढ़त देखी गई। विशेषज्ञ का कहना है कि आज के कारोबार में कुछ ऐसे स्टॉक्स हैं, जिनमें पैसे लगाकर निवेशक मोटा मुनाफा कमा सकते हैं जैसे लार्सन एंड टरबो, टाटा स्टील, ग्लेनमार्क फार्मा, जीएससीएल आदि।

मेहुल चोकसी कैपिटल मार्केट से 10 साल के लिए बैन

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड ने पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी और भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकीसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। चोकसी को कैपिटल मार्केट से 10 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही उन पर पांच करो रुपए का तगड़ा जुर्माना भी लगाया है। सेबी की तरफ से यह कार्रवाई चोकसी की कंपनी गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में धोखाधड़ी के कारोबार में शामिल होने को लेकर की गई है। बाजार नियामक के आदेश के अनुसार चोकसी को 45 दिन में जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

एशियाई बाजारों में तेजी के बीच सेंसेक्स 61 हजार के पार

निफ्टी 118 अंक बढ़कर 18,130.70 पर

मुंबई । शियाई बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों की लगातार आवक के बीच मंगलवार को शेयर बाजार ने ऊंचाई को छू लिया। बीएसई का प्रमुख शेयर सूचकांकों ने मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी का सिलसिला बनाए रखा। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 378.3 अंक चढ़कर 61,124.89 पर पहुंच गया। इसी तरह व्यापक एनएसई निफ्टी 118.5 अंक बढ़कर 18,130.70 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में डॉ रेड्डीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा स्टील में गिरावट हुई। अन्य एशियाई बाजारों में सोल, तोक्यो, शंघाई और हांगकांग के बाजार हरे

निशान में कारोबार कर रहे थे। वॉल स्ट्रीट सोमवार को गिरकर बंद हुआ था। सेंसेक्स सोमवार को 786.74 अंक की तेजी के साथ 60,746.59 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 225.40 अंक की बढ़त के साथ 18,012.20 पर बंद हुआ।

निवेशकों ने शुरुआत से ही पावर ग्रिड कारपोरेशन, डा रेडडी लैब, एसबीआई लाइफ इंश्योरंस, ग्रेसिम इंडस्ड्रीज और अपोली हास्पिटल जैसी कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाया और लगातार निवेश से इन कंपनियों के स्टॉक्स टॉप गेनर की सूची में आ गए। दूसरी ओर टाटा स्टील, ए?क्सिस बैंक, कोल इंडिया, लॉर्सन एंड टर्बो और आईटीसी जैसी कंपनियों के शेयरों में शुरुआत से ही बिकवाली दिखी और लगातार निकासी से इन कंपनियों के स्टॉक्स टॉप लूजर की श्रेणी में आ गए। शुरुआती कारोबार में ही निफ्टी मिडकैप 100 और स?मॉलकैप 100 में 0.30 फीसदी की बढ़त दिख रही है। अगर सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल इंडेक्स को छोड़कर सभी सेक्टर में तेजी दिख रही है। निफ्टी पीएसयू और निफ्टी फार्मा के इंडेक्स तो एक फीसदी से भी ज्यादा के उछाल पर हैं।

सोने में सुस्ती, चांदी का भाव 58 हजार के पार

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में मंगलवार 1 नवंबर को सोने का भाव कमजोरी के साथ खुला है, वहीं चांदी में अच्छी तेजी आई है। वैश्विक बाजार में भी सोने का भाव लुका है और चांदी की कीमत तेज है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 0.02 फीसदी टूटा है। वहीं चांदी एमसीएक्स पर 0.76 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रही है। मंगलवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 12 रुपए टूटकर 50,310 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने का भाव सुबह 50,351 रुपए पर खुला था। खुलने के बाद एक बार यह 50,283 रुपए तक चला गया लेकिन थोी देर बाद यह कुछ संभला और 50,310 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी सोने से उल्टी दिशा में चली है। चांदी की कीमत 441 रुपए उछलकर 58,119 रुपए हो गई है। चांदी 57,960 रुपए पर खुली थी। एक बार भाव 58,257 रुपए तक चला गया लेकिन बाद में चांदी थोा गिरकर 58,119 रुपए पर कारोबार करने लगी थी। वैश्विक बाजार में सोने में जहां गिरावट आई है, वहीं चांदी में तेजी है। सोने का हाजिर भाव 0.35 फीसदी गिरकर 1,637.83 डॉलर प्रति औंस हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव तेजी लिए हुए है। चांदी का हाजिर भाव 0.77 फीसदी टूटकर 19.36 डॉलर प्रति औंस हो गया है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 146 रुपए की गिरावट के साथ 50,612 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

ट्विटर में नौकरी जाने का खतरा नहीं, एलन मस्क ने कहा छंटनी की खबरें गलत

नई दिल्ली । ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क ने मीडिया में चल रही कंपनी में कर्मचारियों की छंटनी की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी करने की कोई योजना नहीं है। उल्लेखनीय है कि मीडिया रिपोर्टों में दावा किया जा रहा था कि दुनिया के नंबर एक कारोबारी एलन मस्क एक नवंबर के पहले बड़े पैमाने पर कंपनी में छंटनी करने वाले हैं, ताकि उन्हें मुआवजे के रूप में स्टाक ग्रांट्स न देनी पड़े।

लेकिन जब छंटनी को लेकर एक ट्विटर यूजर ने ट्वीट करके एलन मस्क की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा, यह गलत है। दरअसल एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एलन मस्क ने कुछ मैनेजर्स को छंटनी के लिए कर्मचारियों की लिस्ट तैयार करने को कहा है। एलन मस्क कंपनी में कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 75 फीसदी ही रखना चाहते हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि एलन मस्क ने शीर्ष अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया है और अन्य कर्मचारियों की निकालने की तैयारी की जा रही है। मस्क ने ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सहगल और कानूनी मामलों व नीति प्रमुख विजया गड्डे को गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के हाई-प्रोफाइल 44 बिलियन के बायआउट के पूरा होने पर निकाल दिया। मस्क ने इन लोगों पर ट्विटर पर फर्जी खातों की संख्या को लेकर उन्हें और ट्विटर निवेशकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। रिसर्च फर्म इक्विलर के मुताबिक, एग्जिक्यूटिव्स को कुल मिलाकर करीब 122 मिलियन डॉलर का सेपरेशन पेआउट मिला है। ज्ञात हो कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने 44 बिलियन अमेरिकी डॉलर में ट्विटर को खरीद लिया है। अधिग्रहण के तुरंत बाद ही उन्होंने बड़े फैसले लेना शुरू कर दिया है। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों की छंटनी से जुड़ा निर्णय अहम है। ट्विटर में साढ़े 7 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं।

पीएनबी और बीओआई ने एमसीएलआर बढ़ाई

मुंबई । बैंक आफ इंडिय (बीओआई) ने सीमांत लागत पर आधारित अपनी उधारी दरों (एमसीएलआर) में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। वहीं पीएनबी ने सभी अवधि वाली एमसीएलआर में 0.30 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है जबकि बीओआई ने इन दरों को 0.15 प्रतिशत तक बढ़ाया है। पीएनबी ने नियामकीय सूचना में कहा कि नई एमसीएलआर दरें एक नवंबर से प्रभावी हो गई। एक साल की अवधि वाली उधारी दर 7.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.05 प्रतिशत कर दी गई है। वहीं अन्य सभी अवधियों वाली उधारी दर 7.40-

भारत के कई शहरों में बनाए जाएंगे चार्जिंग स्टेशन

चार्ज प्लस जोन और महिंद्रा एंड महिंद्रा के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली । कंपनी चार्ज प्लस जोन और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों कंपनियां मिलेकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग का बुनियादी ढांचा तैयार करेंगी। दोनों कंपनियों ने कहा कि समझौते के तहत कई जगहों पर 2,500 से ज्यादा फास्ट चार्ज करने वाले डीसी चार्जर की लगाए जाएंगे। इसके अलावा शुरू करने और रखरखाव की संभावनाओं की तलाश की जाएगी। इस पार्टनरशिप के तहत कंपनी की जगह के साथ किराये की जगहों पर भी चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। साथ ही महिंद्रा और इसकी सहयोगी कंपनियों और समूह कंपनियों द्वारा चुना गया कोई अन्य स्थान का भी उपयोग किया जाएगा। महिंद्रा ने हाल ही में अपनी इलेक्ट्रिक कार एक्सयूवी400 को शोकेस किया था, जिसे आधिकारिक तौर पर अगले साल जनवरी में लॉन्च किया जाएगा। महिंद्रा अपने पहले ऑल इलेक्ट्रिक

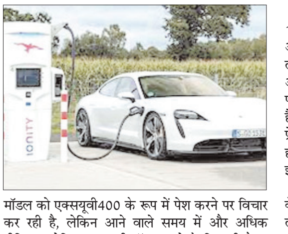

मॉडल को एक्सयूवी400 के रूप में पेश करने पर विचार कर रही है, लेकिन आने वाले समय में और अधिक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लाने के लिए भी तैयार है। एक्सयूवी 400 में एक 39.4 केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज दे सकती है।

खास बात यह है कि यह सिर्फ 8.3 सेकंड के 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार भी पकड़ सकती है।महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक कार को लॉन्च करने के लिए तैयार है, लेकिन देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर अभी भी पर्याप्त नहीं है। इस लिहाज से महिंद्रा और चार्ज प्लस जोन के बीच पार्टनरशिप अहम साबित हो सकती है।महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव सेक्टर के प्रेसिडेंट विजय नाकरा ने कहा, ÷चार्ज प्लस जोन के साथ हमारी पार्टनरशिप हमारे सभी ग्राहकों के लिए मजबूत ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशन सुनिश्चित करेगी।÷

नाकरा ने कहा, ÷हम भारत में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के बड़े पैमाने पर अपनाने में तेजी लाने के लिए टिकाऊ, लाभदायक और एफिशिएंट ईवी सॉल्यूशन लाने के लिए काम कर रहे हैं।÷ महिंद्रा ईवीएस के पास 25 शहरों में चार्ज प्लस जोन चार्जर्स तक ही पहुंच नहीं होगी, बल्कि कंपनी किराए की साइटों समेत कई जगहों पर फास्ट डीसी चार्जर की स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव की खोज कर रहा है।

डिजिटल जर्नलिज्म में बढ़ रही मांग

जर्नलिज्म के फील्ड में केरियर बनाने का सपना रखने वालों के लिए अवसर सिर्फ प्रिंट या टीवी जर्नलिज्म तक सीमित नहीं हैं। आज प्रिंट, टीवी, रेडियो के अलावा डिजिटल जर्नलिज्म की भी विशेष मांग है। जर्नलिज्म से जुड़े किसी भी फील्ड में आने के इच्छुक लोगों के

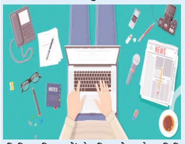

लिए देश के कई संस्थानों में कोर्स कराए जाते हैं। कई संस्थान कैंपस प्लेसमेंट भी देते हैं। यदि आप भी इस क्षेत्र में आना चाहते हैं, तो इससे जुड़े कोर्सेज, संस्थानों और अवसरों के बारे में जानकारी हासिल करें। जर्नलिज्म की विभिन्न विधाओं के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में विशेष कोर्स भी संचालित किए जाते हैं। ये कोर्स काफी उपयोगी रहते हैं।

क्या है योग्यता: जर्नलिज्म कोर्सेज ग्रेजुएशन स्तर पर भी मौजूद हैं और पीजी स्तर पर भी। ग्रेजुएशन लेवल के कोर्सेज में प्रवेश के लिए आवेदक का बारहवीं पास होना जरूरी है, जबकि पीजी डिग्री या पीजी डिप्लोमा क कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदक का ग्रेजुएट होना जरूरी है। दोनों ही लेवल पर स्ट्रीम संबंधी कोई अनिवार्यता नहीं रखी गई है। पीजी कोर्सेज में प्रवेश एंट्रेंस के आधार पर दिए जाते हैं। इनके बाद आवेदकों का साक्षात्कार भी लिया जाता है। उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं में उनकी जनरल अवेयरनेस, जर्नलिस्टिक एप्टीटयूड और राइटिंग स्किल्स की परीक्षा ली जाती है।

- **प्रमुख संस्थान:** जर्नलिज्म फील्ड से जुड़े कोर्स करवाने के लिए आज जो संस्थान विशेष पहचान रखते हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं-
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मास कम्यूनिकेशन (आईआईएमसी), नई दिल्ली
- एशियन कॉलेज ऑफ जर्नलिज्म, चेन्नई
- माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्यूनिकेशन, भोपाल, नोएडा
- देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इंदौर
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- आईपी यूनिवर्सिटी दिल्ली

कहां हैं अवसर: सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्र में जनसंपर्क विभाग, न्यूज एजेंसीज, अखबार, टीवी चैनल ।

फॉरेंसिक साइंस में भी हैं रोजगार के अवसर

अपराधों की जांच में फॉरेंसिक विज्ञान के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। हाल के दिनों में फॉरेंसिक साइंस का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके प्रयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं पैदा हुई हैं।

क्या है फॉरेंसिक विज्ञान

- किसी अपराध की जांच के लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग फॉरेंसिक विज्ञान कहलाता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवर फॉरेंसिक साइंस विज्ञानी होते हैं।
- ये पेशेवर नई तकनीकों का इस्तेमाल कर सबूतों की जांच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। ये क्राइम लैबोरेटरी आधारित जॉब है, जिसमें सबूतों की समीक्षा करना होता है.
- इस क्षेत्र में प्रवेश लेने के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल टेक्नोलॉजी या जेनिटिक्स जैसे विषयों में बैचलर डिग्री होनी चाहिए। वहीं, कुछ दूसरे जॉब में लैब अनुभव भी मांगा जाएगा। बैचलर डिग्री के अलावा आप मास्टर डिग्री या डिप्लोमा फॉरेंसिक साइंस में कर सकते हैं।
- इस क्षेत्र में ज्यादातर जॉब सरकारी सेक्टर में है। यहां पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसे जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, प्राइवेट एजेंसी भी फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स को हायर करती है। ज्यादातर फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई की ओर से हायर किए जाते हैं। इसके अलावा एक टीचर के रूप आप फॉरेंसिक साइंस को किसी इंस्टीट्यूट में पढ़ा कर अच्छा खासा कमा सकते हैं। योग्यता के आधार पर आपका वेतन 20-50 हजार रुपये तक या उससे ज्यादा

कैरियर मार्गदर्शन भी है जरुरी

समय यह है कि आप अपने करियर से कितने खुश हैं। वाही सही है जो दिल को खुशी दे। आपके लिए सही करियर का चुनाव आप और आपका ज्ञान स्वयं है। आपको वही करियर जमेगा जिसके विषय में आपको ज्ञान है और जिस क्षेत्र में आपको ज्यादा जानकारी है।

जबरदस्ती में चुने हुए करियर से कभी भी सफलता नहीं मिलती। ऐसे चुनाव से मात्र मानसिक तनाव और जीवन बर्बाद होता है क्योंकि ऐसे लोगों को ना तो उस विषय में जानकारी होती है या ना तो वह सही तरीके से उस कार्य को कर सकते हैं। किसी भी प्रकार के मुश्किल में शिक्षित और बड़े लोगों से पूछने में न झिझकें। जितना हो सके अपने गुरुओं, परिवार के लोगों से या मित्रों की मदद लें। आपने के विषय में आप जितना ज्ञान बटोरेंगे उतना ही सफलता आपका करियर आपको प्रदान करेगा।

जीवन में कैरियर मार्गदर्शन सबसे अहम है। इसके जरिये ही हम सही राह पकड़ पाते हैं। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय है जिसका सही चयन करना बहुत ही जरूरी है। सही कैरियर मार्गदर्शन से ही आप अपने इच्छा अनुसार कैरियर के बारे में जान सकते हैं और यह भी जान सकते हैं कि क्या वह व्यवसाय या कैरियर आपके लिए सही है या नहीं। गलत कैरियर मार्गदर्शन से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। किसी भी व्यक्ति के जीवन में व्यवसाय ही ऐसा चीज है जिसके माध्यम से अत्यधिक ज्ञान के साथ-साथ वह पैसे कमा सकता है और अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

आप जरूर सोचने लगेंगे कि कौनसे कैरियर या व्यवसाय से आपको ज्यादा पैसे मिलेंगे। पर लोग यह नहीं सोचते की उस कैरियर या व्यवसाय से जुड़ने को अपनाने के बाद वह कैसे उस कैरियर के माध्यम से सफल हो सकते हैं या लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे ।

बहुत सारे व्यक्ति अपना कैरियर चुनने से पहले ही अहम बातों को भूल जाते हैं -

अपने आपसे पूछना कि आखिर वह कैरियर किस पक्के कारण से उसके लिए सही है ।

सबसे मुख्य बात सही करियर को चुनने

इन नौकरियों के लिए स्नातक होना जरुरी नहीं

आमतौर पर माना जाता है कि कोई भी अच्छी नौकरी पाने के लिए स्नातक की डिग्री जरूरी है। इसके बाद भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां नौकरियां के लिए डिग्री जरुरी नहीं होती। इस क्षेत्रों में वेतन भी अच्छा खासा रहता है। इस क्षेत्रों में 15 से 20 हजार रुपये तक वेतन मिलता है जो अनुभव के साथ ही बढ़ता जाता है। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए डिग्री की बाध्यता नहीं होती।

मार्केटिंग

एंट्री लेवल मार्केटिंग कर्मचारी को ग्राहकों की बातें सुनना, उनकी जरूरतों को समझना और उसके मुताबिक प्रॉडक्ट (उत्पाद) देना होता है। मार्केटिंग एक अच्छी जॉब है और इससे आपको कई तरह के अनुभव प्राप्त होते हैं। प्रॉडक्ट की जरूरत के मुताबिक यहां आपकों काम करन पड़ता है।

औसत वेतन- 15 हजार से लेकर 20 हजार रुपये तक

बीपीओ या कॉल सेंटर

बीपीओ या कॉल सेंटर में ग्राहकों की कॉल अटेंड करना और उनको जवाब देना होता है।

औसत वेतन- 18 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक जो अनुभव के साथ ही बढ़ता जाता है।

एडमिन या सपोर्ट स्टाफ

ऑफिस संचालन के लिए रोजमर्रा के कई काम होते हैं। ऑफिस के लिए जरूरी सामान जुटाने से लेकर ऑफिस की साफ-सफाई तक इस दायरे में आ जाते हैं। इस तरह के कामों को करने के लिए एडमिन या सपोर्ट स्टाफ होते हैं।

औसत वेतन- 12 हजार से 15 हजार रुपये तक

खजांची: एक खजांची का काम पैसा और ट्रांजैक्शन प्राप्त करना और उसका वितरण करना है। इसमें आम लोगों के साथ-साथ कर्मचारियों से भी लेन-देन शामिल है।

पेट्रोलियम उत्पादों के क्षेत्र में हैं संभावनाएं

दुनिया भर में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग हमेशा बनी रहती है। ऐसे में इनकी खोज और उत्पादन के दौरान पेट्रोलियम इंजीनियरों के साथ ही कुशल तकनीकी कर्मियों की जरूरत होती है। इस प्रकार इस क्षेत्र में कई संभावनाएं हैं।

काम की प्रकृति

पेट्रोलियम इंडस्ट्री मुख्यतः तेल की खोज, ड्रिलिंग, प्रोडक्शन, रिजर्व मैनेजमेंट, ट्रांसपोर्ट और मशीनरी जैसे अलग-अलग हिस्सों से मिलकर बनी है। पेट्रोलियम इंजीनियर इन अलग-अलग हिस्सों के विशेषज्ञ होते हैं, जो इंजीनियर जिस क्षेत्र का विशेषज्ञ है, उसे उस क्षेत्र का कार्यभार सौंपा जाता है। दुनियाभर में इस समय साधारण भौगोलिक क्षेत्र वाले स्थानों में पेट्रोल की खोज की जा चुकी है। अब वह स्थान बचे हैं, जहां की भौगोलिक संरचना थोड़ी मुश्किल है। ऐसी जगहों पर पेट्रोल-गैस की खोज करना कठिन होता है।

पेट्रोलियम इंजीनियर को कठिन हालातों में काम करना होता है। यही कारण है कि एक कुशल पेट्रोलियम इंजीनियर को लाखों रुपये का पैकेज मिलता है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री में सामान्य तौर पर ज्यादातर काम मशीनों से ही होता है, लेकिन कभी-कभी कुछ परिस्थितियां ऐसी आ जाती हैं कि हाथों से मशीनों को ऑपरेट करना पड़ जाता है

व्यक्तिगत कौशल है जरूरी

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए उम्मीदवार का संयमी होना जरूरी है। इस गुण के चलते मशीनों में किसी किस्म की खराबी होने पर आप शांति से मशीन को ठीक करने में रुचि लेंगे। पेट्रोलियम इंडस्ट्री के क्षेत्र में सफल होने में टीम भावना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. इसलिए एक टीम के रूप में काम करने की आदत इस पेशे की विशेष मांग है।

यह है योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए अंडर ग्रेजुएट कोर्स और कई डिग्री प्रोग्राम कराये जाते हैं। अंडर ग्रेजुएट कोर्स के लिए साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए।

कैरियर अच्छा बनाने करें ये बदलाव

दूनियाभर में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए अब कैरियर बनाने के दौरान सब क्षेत्रों में पारंगत होना होगा। इसके साथ ही तकनीकी रुप से भी अपडेट रहना होगा। आज के बदलते परिवेश में अच्छा कैरियर हांसिल करने के लिए कई क्षेत्रों में पारंगत होना पड़ता है। योजना के तहत कार्य करने पर ही आपकों उम्मीद के अनुरुप सपफलता मिल पाएंगी। बेहतर कैरियर बनाने के लिए करें ये बदलाव

कौशल बढ़ाएं-

मौजूदा परिस्थिति में केवल डिग्रियों से ही सफलता की नहीं मिल सकती है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बढ़ाएं।

आत्मविश्वास बढ़ाए-

जीवन के कुरूक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास विकसित किया जाए तो कैरियर के कुरूक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बढ़े। कार्यशालाओं और व्यक्तित्व विकास वाली संस्थाओं में यही सब तो किया जाता है।

अधिक से अधिक लोगों से मिलें

याद रखें यह जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है। यहां जितनी जानकारी, जितनी संचनाएं आपके पास होंगी, कैरियरनिर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। कूपमंडूकता छोड़ ज्यादा लोगों से मिलें, उन्हें अपनी जानकारी दें उनकी जानकारी लें। आपके जानने वालों का संजाल जितनी लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी क्योंकी संपर्क सफलता में उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है।

वास्तविक बने-

झूठ ज्यादा देर टिकता नहीं है। अपने बारे में सही आकलन कर वास्तविक तस्वीर पेश करें। निष्ठापूर्ण व्यवहार की सभी कद्र करते हैं। अपने काम के प्रति आपकी ईमानदारी आपको कैरियर निर्माण से सर्वोच्च स्थान दिला सकती है। भूलें नहीं कार्य ही पूजा है।

अतिमहत्वाकांक्षी ठीक नहीं

प्रत्येक इंसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकनानदायक होती है क्योंकि अति सर्वत्र वर्जयेत। किसी करिश्में की उम्मीद न करें। सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं। पहले अनुभव प्राप्त करें, फिर आकांक्षा करें।

तकनीक के साथ साथ चलें -

पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक महत्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाजा है, क्या कंप्यूटर चलाना आता है?

स्थानीय भाषाओं में भी अवसर

कामकाज में इंटरनेट के बढ़ते उपयोग से आज स्थानीय भाषाओं में करियर की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। आजकल विदेशी बाजारों से संपर्क स्थापित करने और बाजारों में खुद को स्थापित करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने कंटेट को स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध करा रही है। गूगल, एमेजॉन और नेटफ्लिक्स सहित सभी बड़ी-बड़ी कंपनियों का वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे में रोजगार के लिहाज से युवाओं के लिए यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है।

ऐसे में इन कंपनियों को भाषा विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। यही नहीं, वैश्वीकरण के इस दौर में आप किसी दूसरे देश की भाषा सीखकर भी अन्य देशों में जाकर नौकरी कर सकते हैं या भारतीय भाषाओं में पारंगत होकर विदेश जा सकते हैं हालांकि, अधिकतर कंपनियां यह काम किसी एजेंसी के माध्यम से करा रही है और एजेंसी इसके लिए अनुवादकों, प्रूफ रीडिंग करने वालों और रिव्यूयर की भर्ती करती है।

इसी वजह से अंग्रेज़ी के साथ-साथ किसी देशी भाषाओं में पकड़ रखने वाले अनुवादकों की मांग में काफी तेजी आई है और इस क्षेत्र में नौकरी के कई बेहतर विकल्प मौजूद हैं। इस क्षेत्र में बेहतर नौकरी के साथ-साथ सैलरी पैकेज (वेतन) भी काफी अच्छा है। इस रचनात्मक क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए ट्रांसलेटर या रिव्यूयर बनना एक बेहतर करियर विकल्प साबित हो सकता है। जानकारों का कहना है कि इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कम से कम दो भाषाओं (सोर्स लैंग्वेज ऐंड टारगेट लैंग्वेज) पर कमांड होना चाहिए। सोर्स लैंग्वेज वह होता है जिसका आपको ट्रांसलेशन करना होता है। वहीं, टारगेट लैंग्वेज का मतलब वह भाषा है जिसमें आप अनुवाद करते हैं।

साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि अनुवादक को स्पीड, एक्यूरेसी और क्वालिटी के साथ-साथ टारगेट ऑडिएंस को ध्यान में रखकर अनुवाद करना होता है। उन्होंने कहा कि लोकलाइजेशन

के लिए अंग्रेजी-हिंदी का ज्ञान ही नहीं, बल्कि देशी भाषाओं का ज्ञान भी अहम है। मराठी, बांग्ला, पंजाबी, मलयालम, तमिल जैसी कई भाषाओं का ज्ञान भी आपके करियर के लिए बेहतर हो सकता है। इसमें अनुवाद करते समय शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्दों का चयन करना होता है और यह तभी संभव है जब भाषा और विषय वस्तु पर अच्छी पकड़ हो। इसके लिए व्याकरण और शब्दावली का भी ध्यान रखना होता है। जिस कंपनी के लिए काम कर रहे हों उसके प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल या उसके बारे में रिसर्च करने से काफी मदद मिल सकती है। अनुवाद करना एक रचनात्मक प्रक्रिया है और इसमें पारंगत होने के लिए अभ्यास की जरूरत होती है। इसके तहत आप सिर्फ शब्द का नहीं, बल्कि भावानुवाद भी करते हैं और ऐसे में तब ज्यादा परेशानों का सामना करना पड़ता है, जब आपको दूसरी भाषा के मुहावरे और टोन का पता नहीं होता है। आप अगर इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास फुल टाइम और पार्ट टाइम नौकरी करने का विकल्प भी होगा।

तेजी से बढ़ रहा सैलून का कारोबार

इन दिनों ब्यूटी एंड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बाद सैलून का कारोबार सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं।

देश में 49 प्रतिशत लोग 25 वर्ष की उम्र के हैं। ये ऐसी उम्र है जब लोग अपनी सुंदरता और खान-पीन पर ज्यादा ध्यान देते हैं और मोटी रकम अदा करने तैयार रहते हैं। इसका बड़ा कारण सोशल मीडिया भी है।

आज इस क्षेत्र में काफी अवसर सामने आ रहे हैं, इसलिए इस काम में रोजगार के काफी अवसर पैदा हो गए हैं। अब पार्लर से अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

कैसे करें अपने बिजनेस की शुरुआत-

सैलून एट होम कमाई का एक अच्छा जरिया बन सकता है। आजकल बड़े शहरों में अर्बन क्लैप, यस मैडम, ऐट होम जैसे कई ऐप्स काम कर रहे हैं। सैलून एट होम उन लोगों को नौकरी देता है जिन लोगों को पार्लर का काम आता है। घर पर ही सैलून ऐट होम सर्विस के लिए संबंधित कंपनियों के ऐप डाउनलोड करने होंगे उसके बाद उनकी वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी। इससे हर महीने कम से कम 40 से 50 हजार रुपए तक कमाए जा सकते हैं और जिनके पास अनुभव ज्यादा हैं वे और ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

सारी जिम्मेदारी जनता की- शासन-प्रशासन सर्वोपरि

पिछले कुछ वर्षों में जो नियम एवं कानून, केंद्र, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएं एवं सरकारी विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। उसमें सारी जिम्मेदारी जनता के सिर पर डाल दी जाती है। नियम और कानूनों का उल्लंघन होने पर उन्हें जुर्माने और सजा से दंडित किया जाता है । जो नियम और कानून बनाए गए हैं। उनका पालन कर पाना संभव है, या नहीं। किन परिस्थितियों में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, इसके लिये भी कोई प्रावधान आम जनता के लिए नहीं होते हैं । नियमों को कपड़ों की तरह आए दिन अफसरशाही बदल रही है। जिसके कारण सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। अधिकारी अपने अधिकारों का मनमाना उपयोग कर आम जनता के साथ जबरिया अवैध वसूली करते हैं। अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों की कोई जिम्मेदारी तय नहीं है। उन्हें गड़बड़ी होने पर सरकारी संरक्षण मिलता है। जिसके कारण पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच गया है। जांच के नाम पर भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का काम भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिसके कारण अब आम जनता में नाराजी स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगी है। रोजाना मोरबी जैसे हादसे होते हैं। जिनमें सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही और भ्रष्टाचार स्पष्ट रूप से नजर आता है। सरकार उन्हें बचाने में लग जाती है। जांच के नाम पर महीनों और वर्षों तक जांच होती रहती है। जब मामला ठंडा हो जाता है, तब उन्हें निर्दोष साबित कर दिया जाता है। जिसके कारण सरकारी तंत्र निरंकुश हो गया है। आम जनता के अधिकार और उसकी जान माल सब भगवान भरोसे है। भारत में दो तरह के कानून स्पष्ट देखने को मिल रहे हैं। बड़े लोगों के लिए नियम कानूनों का कोई मतलब नहीं है। बड़े लोगों के लिए नियम कानून एक झटके में राज्य सरकारें और केंद्र सरकार बदल देती हैं। आम आदमी पर तुरंत कार्रवाई हो जाती हैं। जो रसूखदार और सामर्थ्यवान होते हैं। उन्हें जांच के नाम पर या उनके छोटे-मोटे कारिंदो के ऊपर कार्यवाही करके उन्हें बचा लिया जाता है। जनता की सरकार है। कहने को जनता मालिक है । लेकिन मालिकों पर नौकरों का कहर जारी है। घटना दुर्घटना होने पर जवाबदारी या तो ठेकेदार पर डाल दी जाती है, या आम जनता को दोषी बता दिया जाता है। सरकार के अधिकारी मंत्री राजनेता सब अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं । जबकि सरकारी कानून के बनने के बाद सरकार की ही जिम्मेदारी बनती है। सारा तंत्र नियम और कानून के अनुसार नियंत्रण के लिये काम करता है। गड़बड़ी और भ्रष्टाचार पर यदि त्वरित कार्यवाही बिना किसी भेदभाव के होगी तो नियम और कानूनों का विधिवत पालन कठोरता के साथ संभव हो सकेगा। अभी समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर बड़े आदमी कानून का पालन नहीं करते हैं। राजनैतिक और प्रशासनिक तंत्र उनकी सेवा में लगा रहता है । आम आदमी को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। मोरबी में 136 लोगों की मौत हो गई है। घड़ी बनाने वाली कंपनी को पुल का ठेका दे दिया गया। इतना बड़ा हादसा होने के बाद भी सरकार दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। स्थानीय संस्था, पुलिस राज्य सरकार कोई भी अपनी जिम्मेदारी उढ़ाने के लिए तैयार नहीं है। हां घड़ियाली आंसू बहाने में सब एक से बढ़कर आगे हो रहे हैं। सरकारी तिजोरी से मुआवजा बांट दिया जाएगा। यह पैसा किसी नेता अधिकारी या ठेकेदार की जेब से नहीं जाएगा। जब तक किसी को फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरीके के हादसे होते रहेंगे। नियम कानूनों का अपने तरीके से लोग उपयोग करके सरकारी तंत्र में बैठे लोग भ्रष्टाचार करते रहेंगे । न्यायपालिका की भूमिका भी अब प्रभावशाली नहीं रही।

आलाकमान थामेगा भाजपा की कमान

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा आलाकमान के बार-बार चेताने के बावजूद राजस्थान के भाजपा नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राजस्थान में भाजपा संगठन को लेकर बहुत गंभीर नजर आ रहे हैं। उनको पता है कि मौजूदा परिस्थितियों में कांग्रेस को हरा पाना मुश्किल है। इसीलिए नड्डा स्वयं भी राजस्थान के दौरे कर रहें है और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी लगातार राजस्थान भेज रहे हैं। ताकि राजस्थान में नेताओं के आपसी मतभेद समाप्त हो सके। मगर नड्डा के प्रयास कामयाब नहीं हो पा रहे हैं।

राजस्थान के संगठन में सबसे अधिक बिखराव पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के कारण हो रहा है। वसुंधरा राजे पूरा प्रयास कर रही है कि उन्हें एक बार फिर नेता प्रोजेक्ट कर प्रदेश की कमान सौंप दी जाएं। मगर भाजपा आलाकमान ऐसा करना नहीं चाहता है। भाजपा आलाकमान का मानना है कि प्रदेश में अब वसुंधरा राजे पहले की तरह लोकप्रिय नहीं है। इसीलिए पार्टी नए नेतृत्व को तैयार कर रही है। जो आने वाले समय में पार्टी की कमान संभाल सके। हालांकि वसुंधरा राजे अपने पक्ष में तर्क देती है कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने प्रदेश में दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। मगर उनके विरोधियों का कहना है कि मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा को दोनों ही बार चुनाव में मात भी खानी पड़ी थी। यदि वह लोकप्रिय नेता होती तो उनके मुख्यमंत्री रहते पार्टी चुनाव क्यों हारती। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे ही राजस्थान में पार्टी की एक छत्र नेता थी। मगर फिर भी पार्टी चुनाव हार गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में तो राजस्थान में भाजपा 163 सीटों से घटकर मात्र 73 सीटों पर आ गई थी। भाजपा को सीधे-सीधे 90 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा था। वसुंधरा सरकार की नाकामियों को भुनाकर कांग्रेस ने घर बैठे सत्ता हथिया ली थी। अपने मुख्यमंत्री के पिछले कार्यकाल में वसुंधरा राजे पर उनकी पार्टी के ही नेता चाटूकारों से घिरे रहने का आरोप लगाते हैं। वसुंधरा राजे की कार्यशैली से राष्ट्रीय स्वयं संघ के पदाधिकारी भी नाराज रहते थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कई बार वसुंधरा सरकार को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने की चेतावनी भी दी थी। मगर वसुंधरा राजे ने किसी की एक नहीं सुनी थी। जिसके परिणाम स्वरुप ही राजस्थान में भाजपा को सत्ता गवांनी पड़ी थी।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी, भवानी सिंह राजावत, उनके विशेषाधिकारी धीरेन्द्र कमठान जैसे लोग सत्ता के केंद्र बन गए थे। जिनकी सलाह पर ही वसुंधरा राजे फैसले लिया करती थी। वसुंधरा राजे आज भी अपनी उसी पुरानी चैकड़ी से घिरी नजर आती है। भाजपा से निष्कासित पूर्व मंत्री रोहिताश्व शर्मा वसुंधरा के हर कार्यक्रम में शामिल होते हैं। जिसका पार्टी संगठन की तरफ से कड़ा विरोध दर्ज कराया जाता है। मगर फिर भी वसुंधरा राजे अपनी चैकड़ी को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

वसुंधरा विरोधी खेमे के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, सांसद किरोडी लाल मीणा, ओम माथुर, राजेंद्र राठौड़, दिया कुमारी जैसे नेता चाहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जाए। मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने पर पार्टी में किसी एक नेता की छाप नहीं होगी। इससे प्रदेश के सभी नेता एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। जिसके नतीजे भी सकारात्मक होने की आशा की जा सकती है। राजस्थान के बीजेपी नेताओं में बढ़ती कलह को मिटाने के लिये बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को दिल्ली में कोर कमेटी की बैठक बुलानी पड़ी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इस बैठक में राजस्थान के नेताओं की जमकर क्लास ली। सूत्रों के मुताबिक नड्डा और शाह ने पार्टी नेताओं को दो टूक शब्दो में कहा कि आपसी लड़ाई और टांग खिंचाई छोड़ कर गहलोत सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़ो। 2023 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल का समय बचा है। हमें लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि बड़े नेताओं द्वारा प्रदेश में अलग-अलग दौरे और यात्राएं की जा रही हैं। हमारे पास सभी की रिपोर्ट है। इसलिए फिर से समझाया जा रहा है कि पार्टी अनुशासन में रहकर एकजुटता से गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन करें। प्रदेश में बीजेपी के आंदोलनों और कार्यक्रमों में सभी नेताओं की उपस्थिति अनिवार्य हो। अगर उपस्थित नहीं हो सकते तो पहले ही उचित कारण के साथ पार्टी को सूचना दी जाए। आगे से राजस्थान बीजेपी के सभी सीनियर नेता प्रदेश की गहलोत सरकार के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा लें।

खबर है कि राजस्थान कोर कमेटी की बैठक में बीजेपी नेतृत्व ने राजस्थान के नेताओं को साफ संदेश दिया है कि व्यक्तिगत एजेंडे को नहीं, पार्टी के एजेंडे को लेकर सभी मिलकर आगे बढ़ें। राजस्थान में कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम करना है तो पार्टी शीर्ष नेतृत्व को पहले सूचना देकर और मंजूरी लेवें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही राजस्थान में बीजेपी आगे बढ़ेगी। राजस्थान के नेता किसी भी कार्यक्रम को करने की मंजूरी संगठन मंत्री और प्रदेश प्रभारी महासचिव से लें।

कोर कमेटी की बैठक में पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष विशेष रूप से उपस्थित हुये थे। बताया जाता है कि अमित शाह के साथ ही बीएल संतोष ने भी जमकर नेताओं की खिंचाई की थी। बैठक में राजस्थान में कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे को स्वीकार करने का ज्ञापन देने विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी के घर गए बीजेपी नेताओं द्वारा वसुंधरा राजे को नहीं बुलाने के बाद बढ़े विवाद पर भी पार्टी नेतृत्व द्वारा चर्चा की गयी। विधानसभा स्पीकर डॉ. सीपी जोशी को बीजेपी के 12 विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा था। इसमें वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुईं थी। जबकि वह स्पीकर के आवास के ठीक सामने स्थित अपने बंगले पर मौजूद थीं। इस पर कटारिया ने स्वीकार किया कि उनको सूचना देने में उनसे चूक हुई है।

जेपी नड्डा हर बार राजस्थान बीजेपी नेताओं के साथ बैठक में गहलोत सरकार के खिलाफ बड़ा माहौल तैयार करने के निर्देश देते रहे हैं। इसके बावजूद पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, राजेंद्र राठौड़, गुलाबचन्द कटारिया जैसे नेताओं को छोड़कर ज्यादातर बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री पार्टी के बड़े धरने-प्रदर्शनों और आंदोलनों में नहीं पहुंचते हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर क्षेत्र में वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा निकाली। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया उदयपुर संभाग के होने के बावजूद कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं थी। सीकर के लक्ष्मणगढ़ में हुए भाजपा के किसान आक्रोश सम्मेलन में वसुंधरा राजे, गुलाबचन्द कटारिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यमंत्री कैलाश चैधरी जैसे कई सीनियर नेता नहीं पहुंचे। चर्चा है कि इन नेताओं को आमंत्रित ही नहीं किया गया था।

राजस्थान में बीजेपी नेताओं की 'एकला चलो' की नीति और देवदर्शन, धार्मिक यात्रा के नाम पर खुद का स्वागत, अभिनंदन कार्यक्रम करवाने और जगह-जगह जन सभाएं करने की शिकायत पार्टी आलाकमान तक पहुंची है।

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं? यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा-बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं? इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास

रहने लायक नहीं रहेगी यह धरा यदि प्रकृति का शोषण इसी रफ्तार से चलता रहा

प्रहलाद सबनानी

भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति हमें यह सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों के शोषण करने के लिए जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

हमारे एक मित्र डॉक्टर राधाकिशन जी जो अमृतसर के रहने वाले हैं उन्होंने हमें बताया कि कई पर्यावरणविदों का मत है कि पिछले 40 साल से भी अधिक समय में हम लोगों ने वृक्षारोपण के नाम पर ऐसे वृक्ष देश में लगाए हैं जो आज पर्यावरण की बर्बादी का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं। इन वृक्षों के कारण जमीन में पानी का तेजी से क्षरण हो रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों के जंगलों में चीड़ के करोड़ों वृक्ष लगाये गये हैं। चीड़ एक ऐसा वृक्ष है जो बड़ी तेजी से भूमि के पानी को सुखा देता है। इसकी विषैली पत्तियों के विषैले प्रभाव से जंगल की लगभग सारी वनस्पतियां, पौधे एवं वृक्ष समाप्त हो जाते हैं। इन वृक्षों के अत्यधिक ज्वलनशील पत्तों के कारण हर वर्ष हजारों अग्नि कांड होते हैं। जिसके चलते करोड़ों जीव मरते हैं, जंगल नष्ट होते हैं, और भूमि का जल सूख जाता है। सैंकड़ों-हजारों साल में बने जंगलों पर भी बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। करोड़ों एकड़ भूमि बंजर बन गयी है। वनों की, वर्षा जल को रोकने की क्षमता लगभग समाप्त हो गयी है। परिणामस्वरूप, वर्षाकाल में मैदानों में भयंकर बाढ़ आने लगी है। वनों की जल संग्रहण क्षमता समाप्त होने के कारण ही कई क्षेत्रों में सूखा भी पड़ता है, जल संकट होता है। हमारे सदा सलिल रहने वाले नदी, नाले, चश्मे सूख़ने लगे हैं।

ब्रिटिश राजनीतिः जहां 'मूल' व धर्म को नहीं,योग्यता को मिला सम्मान

सूडोकु नवताल- 6237

★★★✫☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6236 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

तनवीर जाफ़री

भारतीय (संयुक्त भारत) मूल के परन्तु ब्रिटेन में जन्मे 42 वर्षीय ऋषि सुनक के 24 अक्टूबर 2022 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद की शपथ लिये जाने के बाद भारत में तरह तरह की प्रतिक्रियायें देखने को मिलीं। भारतवासियों ने कुल मिलाकर सुनक के ब्रिटेन के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठने का स्वागत किया तो हिन्दुत्ववादियों द्वारा उनके हिन्दू होने पर गर्व किया गया। परन्तु मेरी नज़र में भारतवंशी ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने से ज़्यादा महत्वपूर्ण बात है ब्रिटेनवासियों द्वारा किसी विदेशी मूल के व्यक्ति को उसकी योग्यता व कार्यकुशलता की क़द्र करते हुये उन्हें देश के सर्वोच्च पद के लिये चुना जाना। ऋषि सुनक लिंकन कॉलेज,ऑक्सफ़ोर्ड में दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्नातक, स्टैनफ़ोर्ड विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री प्राप्त एक शिक्षित राजनेता हैं। वे पहली बार यॉर्कशर के रिचमंड से 2015 में ब्रिटिश संसद में पहुंचे थे। वे तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा की सरकार में संसदीय अवर सचिव के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने बोरिस जॉनसन के कंजरवेटिव नेता बनने के अभियान का समर्थन किया। प्रधान मंत्री नियुक्त होने के बाद जॉनसन ने सनक को राजकोष का चांसलर नियुक्त किया। चांसलर के रूप में, सुनक ने यूनाइटेड किंगडम में कोरोना महामारी के आर्थिक प्रभाव के मद्देनज़र सरकार की आर्थिक नीति पर भी विशेष रूप से काम किया। ऋषि सुनक केवल विदेशी मूल के ही नहीं बल्कि ब्रिटेन के अब तक के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री भी हैं। कुछ लोगों ने उस ब्रिटिश काल को याद करते हुये जबकि कहावत थी कि %अंग्रेज़ी राज में सूरज नहीं डूबा करता था% यानी दुनिया की चारों दिशाओं के अधिकांश देशों पर ब्रिटिश झण्डे लहराते थे, अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि समय चक्र कितना बलवान है कि जो कहा करते थे कि %कुत्तों और भारतीयों का प्रवेश वर्जित है आज उसी देश के सबसे बड़े पद पर एक भारतीय विराजमान हो गया। इस तर्क को मानते हुये भी हमें ब्रिटिश वासियों, वहां के राजनीतिज्ञों यहाँ तक कि ऋषि सुनक के विरोधियों की भी तारीफ़ करनी पड़ेगी कि चुनाव के दौरान किसी ने भी ऋषि सुनक की उम्मीदवारी का विरोध यह कहते हुये नहीं किया कि वे विदेशी मूल के हैं और वे ब्रिटेन के बहुसंख्य ईसाई समुदाय के न होकर हिन्दू समुदाय के सदस्य हैं। भारतवंशी ऋषि सुनक के प्रधानमंत्री बनने की घटना की तुलना तो दरअसल हमें वर्ष 2004 में भारतीय राजनीति में दर्ज उस काले अध्याय से करनी चाहिये जब भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव हारने,तथा सोनिया गांधी के यू पी ए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बावजूद उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावनाओं का ज़बरदस्त विरोध किया था। भाजपा की एक वरिष्ठ नेता (अब स्वर्गीय) ने तो यहां तक कह दिया था कि यदि सोनिया गांधी देश की प्रधानमंत्री बनती हैं, तो मैं अपने सिर के बाल मुंडवा लूंगी। इसी तरह एक भाजपाई नेता ने सोनिया के प्रधानमंत्री बनने पर उल्टी चारपाई पर सोने की धमकी दे डाली थी। सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने की आशंका से भयभीत लोग उन्हें ईसाई प्रचारित करने में भी कोई कसर बाक़ी नहीं रखते। जबकि वे राजीव गांधी से शादी करने के बाद पूरी तरह से भारतीयता के रंग में रंग चुकी हैं। केवल भाजपा ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री बनने की चाह में शरद पवार ने भी सोनिया गाँधी को विदेशी मूल का बताते हुये उनके प्रधानमंत्री बनने का विरोध किया था और पी ए सांगमा व तारिक़ अनवर जैसे नेताओं ने उनका साथ दिया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने के विरोधस्वरूप जन्मी पार्टी का ही नाम है। उस समय इन्हीं सोनिया विरोधियों ने यहां तक प्रचारित किया था कि तत्कालीन राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम ने सोनिया गाँधी को स्वयं शपथ दिलाने से इंकार कर दिया था। परन्तु बाद में कलाम साहब ने अपनी पुस्तक विंग्स ऑफ़ फ़ायर के दूसरे खंड टर्निंग पॉइंट्स में स्पष्ट रूप से यह लिखा है कि यदि सोनिया गाँधी चाहतीं तो प्रधानमंत्री बन सकती थीं।

राहुल का नाराः अब भारत तोड़ो

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 'भारत तोड़ो' का नारा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत में जातीय जनगणना फिर से शुरु की जानी चाहिए। 2011 में कांग्रेस पार्टी ने जातीय जन-गणना करवाई थी लेकिन भाजपा सरकार ने उस पर पानी फेर दिया। उसे सार्वजनिक ही नहीं होने दिया और अब 2021 से जो जन-गणना शुरु होनी थी, उसमें भी जातीय जन-गणना का कोई स्थान नहीं है। राहुल गांधी इस वक्त जो कुछ कह रहे हैं, वह शुद्ध थोक वोट की राजनीति का परिणाम है। वे चाहते हैं कि इसके बहाने वे पिछड़ी जातियों के वोट आसानी से पटा लेंगे। लेकिन यदि राहुल गांधी को कांग्रेस के इतिहास का थोड़ा-बहुत भी ज्ञान होता तो वह ऐसा कभी नहीं कहते। क्या मैं राहुल को बताऊँ कि अंग्रेज सरकार ने भारत में जातीय जन-गणना इसलिए चालू करवाई थी कि वे भारत के लोगों की एकता को तोड़ना चाहते थे। क्यों तोड़ना चाहते थे? क्योंकि 1857 के स्वातंर्त्य-संग्राम में भारत के हिंदुओं और मुसलमानों ने मिलकर अंग्रेज सरकार की जड़ें हिला दी थीं। पहले इन दो आबादियों को तोड़ना और फिर जातियों के नाम पर भारत के सैकड़ों-हजारों दिमागी टुकड़े कर देना ही इस जातीय जनगणना का उद्देश्य था। इसीलिए 1871 से अंग्रेज ने जातीय-जनगणना शुरु करवा दी थी। कांग्रेस ने इसका डटकर विरोध किया था। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरु ने जातीय जनगणना के विरोध में सारे भारत में जनसभाएं और प्रदर्शन आयोजित किए थे। इसी का परिणाम था कि 1931 में 'सेंसस कमिश्नर' जे.एच.हट्टन ने जातीय जनगणना पर प्रतिबंध लगा दिया। इस तरह की गणना कितनी गलत, कितनी अशुद्ध और कितनी अप्रामाणिक होती है, यह उन्होंने सिद्ध किया लेकिन कांग्रेस की मनमोहन-सरकार ने थोक वोटों के लालच में 2011 में इसे फिर से करवाना शुरु कर दिया। किसी भी पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया, क्योंकि सभी पार्टियां थोक वोट पटाने की फिराक में रहती हैं। इसके विरोध का झंडा अकेले मैंने उठाया। मैंने 'मेरी जाति हिंदुस्तानी आंदोलन' शुरु किया। उस आंदोलन का विरोध करने की हिम्मत किसी नेता की नहीं पड़ी। यहां तक कि गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुझे फोन कर के सहयोग देते रहे। बाद में जो लोग देश के सर्वोच्च पदों पर नियुक्त हुए, वे भी उस समय झंडा उठाकर मेरे साथ चलते रहे। मैं सोनिया गांधी को धन्यवाद दूंगा कि जैसे ही वे न्यूयॉर्क में अपनी माताजी के इलाज के बाद दिल्ली लौटीं, उन्होंने सारी जानकारी मुझसे मांगी और उन्होंने तत्काल जातीय जनगणना को बीच में ही रूकवा दिया।

पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर किया चोरी की घटना का खुलासा

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

पन्ना। मामले में 01 आरोपी गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी गया मशरूका सोने चाँदी के जेवरात कीमती करीब 9,14,240 रुपये एवं नगदी 10,000 रुपये सहित कुल 9,24,240 रुपये का मशरूका जप्त घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनाँक 31.10.2022 को फरियादी ने थाना सुनवानी मे रिपोर्ट किया कि मैं अपने घर में अपनी पत्नि , बहू और दो छोटे बच्चो सहित रहता हूँ । दिनाँक 30.10.22 को मेरी सास का स्वर्गवास हो जाने की सूचना फोन पर मिलने पर मै घर पर ताला लगाकर पत्नि ,बहू और बच्चो सहित प्राईवेट वाहन से दोपहर करीब 12.00 बजे रीवा चला गया था । मैं अपने परिवार के साथ जब रात करीब 12.00 बजे रीवा से घर वापस आया तो देखा कि घर के दरवाजे खुले थे एवं घर के अंदर का सामान अस्त व्यस्त पड़ा था घर के अंदर रखी अलमारी का लॉकर खुला था । अलमारी का लॉकर खुला होने से मैने अपनी पत्नी व बहू को बुलाकर अलमारी का सामान चेक करवाया तो अलमारी से सोने चाँदी के जेवरात पुराने इस्तेमाली कोई अज्ञात चोर घर में घुसकर चुराकर ले गया था । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सुनवानी में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध चोरी का अपराध क्रमांक 63/22 कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया । पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही - थाना प्रभारी सुनवानी उनि जगमोहन सिंह द्वारा तत्काल उक्त घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई

। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन अति.पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति आरती सिंह एवं एस.डी.ओ.पी. पवई श्री सौरभ रत्नाकर के मार्गदर्शन में मामले के खुलासा, चोरी गये मशरूका की बरामदगी एवं आरोपीगणो गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी सुनवानी उप निरी.जगमोहन सिह के नेतृत्व में 01पुलिस टीम का गठन किया गया । गठित पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया जाकर संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित करते हुये उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हुये मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई । पूँछताछ पर संदिग्ध व्यक्ति द्वारा अपना नाम पता पुलिस टीम को बताया गया । पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति से कड़ाई से पूँछताछ किये जाने पर उक्त व्यक्ति द्वारा घटना दिनांक को वारदात करना स्वीकार किया । पुलिस टीम द्वारा आरोपी के बताये अनुसार मामले चोरी गये मशरूका को आरोपी के कब्जे से जप्त करते हुये आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

जप्त सामग्रीङ्क चोरी गये सोने चाँदी के आभूषण कीमती 9,14,240 रुपये एवं नगदी 10,000 रुपये सहित कुल मशरूका कीमती करीब 9,24,240 रुपये का जप्त । गिरफ्तार आरोपीङ्क घटना घटित करने वाले एक नफर आरोपी को पुलिस टीम द्वारा 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार किया गया है । सराहनीय योगदान ङ्क उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सुनवानी जगमोहन सिह, स.उ.नि. बुध्दी लाल कोल, प्र. आर. चुन्नीलाल, आर. अजेश वेदी, श्यामलाल, वृजेन्द्र अहिरवार, राजललन, बृजगोपाल बागरी, म.आर. दिव्या सूर्यवंशी, एस डी ओ पी कार्यालय पवई से स.उ.नि. जगदीश सिह, प्र. आर. राहुल मिश्रा, मोहन मौर्य, अमृत सिह तोमर, सैनिक राजेन्द्र ,फिंगर प्रिन्ट पुलिस टीम पन्ना एवं पुलिस सायबर सेल टीम पन्ना का सराहनीय योगदान रहा है । उक्त पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है ।

बिना दस्तावेज के भी लोग आजकल गरीब परिवारों को डरा धमका कर घर हड़पने में लगे हैं प्रशासन भी इसमें मेहरबान हैं

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पन्ना। देवेंद्र नगर अंतर्गत सलेहा रोड देवेंद्र नगर की है जिसमें कुछ वर्षों से चंद्रपाल सोनी नामक दुकानदार ज्वेलरी की दुकान किराए से श्रीमती कुसुम बाई सोनी के मकान पर चला रहे है जिसमें दुकान की बजाए अब उनके पूरे घर पर कब्जा जमाने में लगे जबकि श्रीमती कुसुम बाई का कहना है की मैं अपना घर अपने पूरे होशो हवास में श्रीमती साधना जैन को बेच चुकी हूं जिसकी रजिस्ट्री आदि पन्ना से मैं कीमत लेकर विभाग द्वारा 2021 में ही करवा दी थी किंतु जब मैं चंद्रपाल सोनी जी से दुकान का किराया लेने जाती हूं तो उनका कहना है किआपका घर मैं खरीद चुका हूं अब मैं के किराया कैसे दूं जबकि मैं अपना स्वयं का घर जो मेरे नाम पर था उसको मैं श्रीमती साधना जैन को बेच चुकी हूं जिसमें जबरदस्ती पूरे घर में चंद्रपाल सोनी द्वारा ताला लगाया गया है और मेरे जो किराएदार है उनको रात मे भगा दिया जिससे दबाब में आकर अन्य किरायेदार मकान खाली करके अन्य जगह चले गए और चंद्रपाल सोनी ने कब्जा कर लिया गया इसकी शिकायत में थाना प्रभारी महोदय देवेंद्रनगर एवं तहसील अंतर्गत तहसीलदार देवेंद्रनगर को आवेदन दे चुकी हूं किंतु थाना देवेंद्रनगर और तहसीलदार देवेंद्रनगर द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे मुझे शासन प्रशासन पर गड़बड़झाला लगता है कहीं मेरे घर को चंद्रपाल सोनी जी अपने नाम पर ना करवा लें क्योंकि चंद्रपाल सोनी पूर्व नगर अध्यक्ष श्री शंभू सोनी शंभू सोनी के भाई हैं जिससे राजनीतिक दबाव हो सकता है7 किंतु मैं शासन प्रशासन से गुहार लगा रही हूं की मेरी मदद की जाए क्योंकि श्रीमती साधना जैन को मैं अपना घर बेचते समय पेमेंट लिया था और उसके नाम पर रजिस्ट्री करवाई थी उनका कहना है की घर की सुपुर्दगी की जाए अन्यथा मेरा पैसा वापस किया जाए मैं गरीब हूं अपने पुराने घर में रहती हूं वर्तमान में मेरा पुत्र भी इस दुनिया में नहीं रहा जिससे मैं बहुत दुखी हूं किंतु शासन-प्रशासन कोई कार्यवाही ना कर शक के दायरे में आ रहा है मैंने अपना घर किराए पर दिया था बेचा नहीं था जिसका साक्ष्य मैं स्वयं रखी हूं किंतु चंद्रपाल सोनी के पास कोई साक्ष्य नहीं है फिर भी शासन उसका साथ दे रहा है या फिर मुझे उम्मीद दिखाई देती है कि क्या कोई राजनीतिक दबाव है7

स्थापना दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

पन्ना- मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को सुबह छात्र-छात्राओं द्वारा स्थानीय छत्रसाल पार्क से महेन्द्र भवन तक प्रभात फेरी निकाली गई। कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र ने प्रभात फेरी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मध्यप्रदेश गान का गायन किया गया। प्रभात फेरी शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी। छात्र-छात्राओं ने वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। जनअभियान परिषद के माध्यम से अन्य स्थानों पर भी प्रभात फेरियां निकाली गईं।

पुरैना में मनाई गई सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती एवं इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

गुनौर- पूरे देश प्रदेश में बड़े ही धूमधाम से सरदार जयंती का आयोजन किया गया उसी क्रम में ग्रामीण अंचलों में भी जयंती समारोह का आयोजन किया गया उसी क्रम में मध्यप्रदेश के पन्ना जिले अंतर्गत गुनौर विधानसभा के तहसील गुनौर अंतर्गत ग्राम पुरैना में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 147 वीं जन्म जयंती समारोह एवं देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप पर डॉ दुष्यंत पटेल उपस्थित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत सरपंच श्रीमती माया बाई द्वारा की गई कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथि जी द्वारा दीपप्रजल्वित कर किया गया एवम समस्त अतिथियों द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जी एवं इंदिरा गांधी जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण तिलक वंदन कर किया गया वहीं इंदिरा गांधी जी के पुण्यतिथि के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन

अर्पित करते हुए उनको याद किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम आयोजकों द्वारा मुख्यातिथि जी का पगड़ी पहनाकर एवम तलवार भेट कर भव्य स्वागत किया गया इसी क्रम में क्षेत्रीय युवाओं एवम ग्रामवासियों द्वारा उपस्थिति समस्त विशिष्ट अतिथियों का माला पहनाकर फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया इसी क्रम पर सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखें उसी क्रम में मुख्य अतिथि डॉ दुष्यंत पटेल ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने के कहा वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित युवा नेता जीतेंद्र सिंह जाटव ने कहा जिस प्रकार से सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को एक सूत्र में पिरोया है इसी तरह कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा सभी जाति के लोगों को एक मंच पर लाकर एकता का संदेश दिया उन्होंने कहा कि हमें जाती नहीं जमात जोड़ना चाहिए वहीं विमला अहिरवार द्वारा अपने गीतों से समाज में क्रांति का संदेश दिया कार्यक्रम को सफल बनाने में शंकर पटेल, बृजभान पटेल, राजकरण पटेल, देशपाल पटेल, कल्लू पटेल, सुखेंद्र पटेल, शांति पटेल, बृजेंद्र पटेल, पुष्पेंद्र पटेल सहित ग्राम के जागरूक युवाओं एवन वरिष्ठजनों का का विशेष योगदान रहा कार्यक्रम के मंच का संचालन शंकर पटेल द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का आभार युवा समाजसेवी बृजभान पटेल द्वारा किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा बुजुर्ग माताएं बहने एवं क्षेत्रीय लोग सम्मिलित हुए सभी उपस्थित जनों द्वारा एकता का संदेश देते हुए सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के विचारों पर चलने की प्रतिज्ञा ली एवम उपस्थित पुलिस प्रशासन के ,स्ढ्ढ आफिसर द्वारा राष्टीय एकता पर सपथ भी दिलाई गई।

पन्ना पुलिस द्वारा अपहृता (बालिका) एवं अपहृत (बालक) को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना द्वारा पन्ना जिले के समस्त थाना /चौकी प्रभारियों को अपहृत बालक /बालिकाओं की अधिक से अधिक दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है । इसी तारतम्य में थाना कोतवाली पन्ना में अलग-अलग फरियादियों की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपहरण के अप.क्र. 752/22 एवं अप.क्र. 758/22 कायम किये जाकर विवेचना में लिये गये थे । थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा उक्त अपराधो के संबंध में पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना को जानकारी दी गई पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुये अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पन्ना श्री बी.एस.बारीबा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की जाकर तत्काल अपहृत बालक/बालिकाओं को दस्तयाब करने एवं आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया था पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर अपहृत की तलाश की गई एवं मुखबिर सूचना तथा सायबर सेल पन्ना से प्राप्त जानकारी के आधार पर अप.क्र. 752/22 की अपहृता को दिनांक 31.10.22 को दिल्ली से एवं अप.क्र. 758/22 के अपहृत बालक को दिनांक 31.10.22 को रानीगंज मोहल्ला पन्ना से सकुशल दस्तयाब किया जाकर विधिवत कार्यवाही कर परिजनों को सुपुर्द किया गया है । उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरी.अरूण कुमार सोनी, उनि सुशील शुक्ला, उनि रचना पटेल, सउनि रामकृष्ण पाण्डेय, प्रआर. शिवस्वरूप तिवारी, लक्ष्मीनारायण, रामपाल बागरी, उर्मिला, जागेन्द्र शर्मा, रामलखन सिंह, आर. रोहित बागरी, अर्पित पाण्डेय एवं सायबर सेल टीम पन्ना का सराहनीय योगदान रहा ।

छत्रसाल महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह गरिमापूर्ण तरीके से मनाया गया

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत अत्यंत महत्वपूर्ण डॉ. एच. एस. शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पन्ना, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस समारोह गरिमापूर्ण माहौल में प्राचार्य डॉ एच. एस. शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ शर्मा ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,भारत की आज़ादी में मध्य प्रदेश का बहुत बड़ा

योगदान रहा है। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत सारे देश में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। आज इस अवसर पर मध्य प्रदेश वासियों को स्टाफ के सदस्य और विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने प्रदेश की प्रगति में सभी विद्यार्थियों के साथ का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ उषा मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश की

ऐतिहासिकता देश की विरासत है, और इसको अक्षुण्ण रखने की आवश्यकता है।डॉ उमा त्रिपाठी ने मध्यप्रदेश की लोक नृत्य और लोक संगीत की परंपरा का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरूक रहने का आवाहन किया। डॉ. एस.एस. राठौर में मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक परंपरा को कायम रखने का आह्वान किया। डॉ विनय श्रीवास्तव ने इस अवसर पर मध्य प्रदेश स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए इस के सर्वांगीण विकास में सभी वर्गों की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के स्वाधीनता आंदोलन में सभी वर्गों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में मध्य प्रदेशगान के साथ विद्यार्थियों ने प्रदेश की स्तुति की। मध्यप्रदेश गान में कु. जागृति सक्सेना, प्रियंका गोस्वामी, प्रकृति राय, वंदना कुशवाहा, रिया सोनी,अर्चना कुशवाहा,खुशी कुशवाहा ने सहभागिता की। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस.के. पटेल, डॉ. सतीश त्रिपाठी, डॉक्टर पुष्पराज चौरसिया, डॉ. अंकिता सोनी, ऋषभदेव साकेत, श्री रजनीश चौरसिया, डॉ वरदानी प्रजापति, के साथ महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ विनय श्रीवास्तव ने किया। आभार प्रदर्शन डॉक्टर सतीश त्रिपाठी द्वारा किया गया।

कलेक्टर पहुंचे छात्रावास, छात्राओं से किया संवाद

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

पन्ना- मध्यप्रदेश के 67वें स्थापना दिवस के मौके पर 1 से 7 नवम्बर तक साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सोमवार को छात्रावास दिवस मनाया गया। इस दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सभी छात्रावासों व आश्रमों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र ने इन्द्रपुरी कालोनी स्थित शासकीय अनुसूचित जाति कन्या महाविद्यालयीन छात्रावास में पहुंचकर छात्राओं से संवाद किया और स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस की बधाई दी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहकर बेहतर पढ़ाई करें और अपने कैरियर के प्रति सजग व जागरूक बनें। अच्छे और सफल नागरिक बनकर समाज और परिवार का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि छात्रावास में छात्राएं पारिवारिक माहौल की भांति मिलजुल कर रहें और सुखदुख में सहभागी बनें। जीवन में अच्छा व्यवहार और आचरण भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में पढ़ाई की सुविधाओं सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं और डायनिंग हॉल की व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त छात्रावास के लिए प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा हमेशा

हरसंभव मदद का भरोसा भी दिया। जिला संयोजक आर.के. सतनामी ने छात्रावास का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यहां वर्तमान में 50 छात्राएं निवासरत हैं। वर्ष 2003-04 से छात्रावास संचालित किया जा रहा है। छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए नियमित रूप से मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। छात्रावास दिवस पर छात्राओं ने मध्यप्रदेश गान सहित बुन्देली गीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दीं। कलेक्टर श्री मिश्र ने छात्रावास में छात्राओं व अभिभावकों के साथ भोजन भी किया।

छत्रसाल महाविद्यालय में राष्ट्रीयता की शपथ दिलवाई गई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पन्ना मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में प्राचार्य डॉ एच एस शर्मा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मतिथि पर राष्ट्रीय एकता की शपथ महाविद्यालय के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ ही विद्यार्थियों को दिलवाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ के सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ शर्मा ने इस अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के राष्ट के प्रति योगदान का उल्लेख करते हुए उनको नमन किया और कहा कि राष्ट्रीय एकता में सरदार पटेल के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाएं और आपस में विभिन्न भाषा जाति धर्म और संप्रदाय के बीच एकता स्थापित कर सद्भावना बनाकर रखें। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस पी एस परमार, डॉ उषा मिश्रा, डॉ उमा त्रिपाठी, डॉक्टर जेके वर्मा, डॉक्टर पी पी मिश्रा, डॉ एसएस राठौर, डॉ एसके पटेल, डॉ विनय श्रीवास्तव, डॉक्टर मनोरमा गुप्ता, डा आरएम दत्ता, डॉ शिव गोपाल सिंह, श्री सिद्धू सिंह, श्री रजनीश चौरसिया, डॉ सतीश त्रिपाठी डॉ राम मोहन तिवारी, डॉ गुलाब धर, डॉ अंकिता सोनी, डॉ सचिन गोयल, डॉ बीएन जायसवाल, डॉ कविता परबन्दा, श्रीमती समीक्षा सिसोदिया, डॉ ऋषभदेव साकेत, श्री पुष्कर सिंह, डॉ नंदकुमार पटेल, डॉ पुष्पराज सिंह डॉ सत्यप्रकाश, डॉ मनोजकुमार, श्री मयंक सिंह, सहित महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वान डॉ अरविंद मंडेलिया डॉक्टर पुष्पराज चौरसिया, डॉ पीयूषा शर्मा, डॉ अनुराधा चौरसिया, महाविद्यालय के कर्मचारी श्री प्रवीण कुमार गुप्ता, श्री विनय अवस्थी, श्री मनोज गोंड, श्री वीरेंद्र कुमार खटीक, श्री विजय कुमार, सहित महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्गत संकुल आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग हुआ संपन्न

सिरोंज पुष्पांजलि टुडे
रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत की योजनानुसार ह्श्वक्क 2020 के अनुरूप प्रभावी परिणामकारी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु आचार्य की योग्यता, क्षमता, दक्षता, निपुणता, कुशलता वृद्धि आधारित अधिगम प्रक्रिया एवं शिक्षण प्रशिक्षण समय की महती आवश्यकता है। आचार्य अद्यतन उच्चस्तरीय दक्षताओं से युक्त हो इस उद्देश्य से सरस्वती शिशु / विद्या मंदिर लिंक रोड सिरोंज में सोमवार को विदिशा जिले के समस्त विद्यालय के फाउण्डेशन एवं प्रीपरेटरी स्तर के आचार्यों का एक दिवसीय संकुल आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग सम्पन्न हुआ । वर्ग का शुभारंभ मॉ सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। प्रथम सत्र में वर्ग संयोजक विद्यालय प्राचार्य श्री संजय पाराशर ने श्चष्टष्ट्श्च की भारतीय संकल्पना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्चष्टष्ट्श्च के माध्यम से

बच्चों के 85 प्रतिशत मस्तिष्क का विकास 6 वर्ष में की उम्र में हो जाता है। मस्तिष्क व शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण, समता स्थापित करने में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जीवन मूल्य वह है जिससे हमारे कार्य से अन्य व्यक्ति को भी नुकसान न हो और हमें भी नुकसान न हो। जीवन मूल्य बच्चों में पाँच वर्ष की उम्र में पैदा होते है जीवन में मूल्यों में सामाजिक कार्य, मानवीय संवेदना, अच्छा व्यवहार, शिष्टाचार, नैतिकता, व्यक्तिगत व सार्वजनिक स्वच्छता आदि गुण होते है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समिति विद्यालय संचालन समिति के कोषाध्यक्ष श्री विष्णुबाबू गर्ग ने कहा कि बचपन में बच्चों को जो सिखाया जाता है वह उन्हें जीवन भर याद रहता है आप का एक ही उद्देश्य है, केवल एक या दो बच्चे ही नहीं बल्कि सारे बच्चे सर्वांगीण उन्नति के लिए विकसित हो। शिक्षक का प्रत्येक बच्चे पर ध्यान होना चाहिए। कोई बच्चा हमेशा पीछे क्यों बैठता है, पढ़ने में ध्यान क्यों नहीं देता है इसका ध्यान शिक्षक को रखना होता है।

द्वितीय सत्र में प्राचार्य श्री संजय पाराशर ने विद्याभारती की अभिनव पंचपदी शिक्षण पद्धति के बारे में बताते हुए शिक्षण क्या है, बालक कैसे सीखता है, शिक्षण पूर्व तैयारी कैसे करना है एवं इस पद्धति के पाँच पद अधीति, बोध, अभ्यास, प्रयोग, प्रसार आदि की जानकारी उपलब्ध कराई।

तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में सभी आचार्य दीदियों द्वारा अपने-अपने विषय पर पंचपदी शिक्षण पद्धति के पाँच पदों के आधार पर ञ्जरुरू एवं प्रोजेक्ट तैयार किए पंचम सत्र में सभी आचार्यों द्वारा तैयार किए ञ्जरुरू एवं प्रोजेक्ट का प्रदर्शन मंच पर किया गया। विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षण से पहले शिक्षक को प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है कोई भी विषय हो बच्चों को ऐसा समझाना चाहिए जिससे की वह उसके हृदय में उतर जाए। इसके लिए विभिन्न माध्यम अपना सकते है। कथा, कहानी, कविता, नाटक, खेल आदि के माध्यम से शिक्षा दे सकते है।

अंतिम सत्र में शासकीय शिक्षक एवं समाज सेवी श्री घनश्याम जी रघुवंशी ने कहा कि किसी भी विषय को समझने के लिए भावार्थ और शब्दार्थ दोनों प्रकार से समझना चाहिए। शिक्षक वृत्ति प्रतिबद्धता की परिभाषा बताते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों को शिखर की ओर ले जाने वाला, गलतियों को क्षमा करने वाला, कमजोरी को दूर करने वाला होता है। वृत्ति के कई भेद होते है देवीय वृत्ति, मानसी, पशु संत वृत्ति होती है। किसी भी कार्य के प्रति जिम्मेदारी और कर्त्तव्य निष्ठा प्रतिबद्धता कहलाती है। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री देवकीनंदन जी शर्मा के द्वारा किया गया

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस तहत जिले में निकाली गई प्रभात फेरी

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के तहत एक से सात नवम्बर तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन जिले में किया जाएगा। जिसकी आज शुरूआत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में आयोजित प्रभात फेरी से हुई। आज प्रातः तात्याटोपे समाधि स्थल से प्रभातफेरी निकाली गयी जिसमें जन अभियान परिषद एव महाविद्यालय एवं विद्यालय के छात्र छात्राएं शामिल हुई। प्रभातफेरी तात्याटोपे समाधि स्थल से राजेश्वरी मन्दिर से होकर गुरुद्वारा चौक, माधव चौक, कोर्ट रोड होते हुए वापिस तात्याटोपे समाधि स्थल पर समाप्त हुई। जिला अध्यक्ष राजू बाथम, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी और शहरवासी प्रभातफेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी का शुभारंभ कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के द्वारा अमर शहीद तात्या टोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रभात फेरी में उपस्थित जन समूह एवं स्कूली बच्चों ने नशामुक्ति एवं स्वच्छता का संदेश दिया।

ग्राम पंचायत गणेशखेड़ा में मनाया गया मध्य प्रदेश स्थापना दिवस

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत गणेश खेड़ा के ग्राम वासियों द्वारा मध्य प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्वयंसेवक उपस्थित रहे इस कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा कन्या पूजन एवं भारत माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई एवं मध्य प्रदेश गायन भी किया गया तथा इसी क्रम में ग्राम को आदर्श ग्राम बनाने का भी संकल्प लिया गया एवं ग्राम में साफ-सफाई स्वच्छता से संबंधित भी शपथ ली गई इस कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री केरन सिंह लोधी जी एवं

मंडल महासचिव महेश परिहार गणेश खेड़ा तथा ग्राम पंचायत के सरपंच श्री रामप्रकाश लोधी जी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद पिछोर के रमेश विश्वकर्मा जी पाएगा ,अनिल लोधी जी ,अरुण पाल जी तथा बीरन लोधी जी ,चंद्रभान पाल ,हल्केराम रजक, चंदन सिंह लोधी, बलबीर लोधी जी हनुमत सिंह लोधी, जी ,अरविंद लोधी जी, नरेंद्र लोधी जी ,प्रमोद लोधी जी , राजेंद्र सिंह लोधी, रूप सिंह लोधी सुरेश सेन आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे

शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर नहीं मिल रहा खाद्यान्न गांव वाले 8 माह से परेशान

अनिक कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी-खबर जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर में हुई जनसुनवाई मैं आवेदन देने आए ग्रामीणों ग्राम ककरौआ ठुनी तहसील पिछोर जिला शिवपुरी के निवासियों द्वारा आज जनसुनवाई में आवेदन देने आए ग्रामीणों ने बताया की उन्हें पिछले 8 माह से गांव के शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर बीपीएल और अंत्योदय राशन कार्ड धारियों को पिछले 8 माह से खाद्यान्न वितरित नहीं किया जा रहा है

प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल भार्गव निवासी ग्राम शाजापुर जोकि ग्राम पंचायत ककरौआ में शासकीय उचित मूल्य की दुकान चलाता है लेकिन वह नियमित रूप से दुकान नहीं खोलता और जब कभी दुकान खोली जाती है तो निर्धारित रूप से मिलने वाला राशन गरीबों को नहीं दिया जाता है जिस पर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत भी की

लेकिन राहुल भार्गव द्वारा ग्रामीणों को मिलने वाला शक्कर, केरोसिन और अन्य खाद्य सामग्री पिछले 8 माह से ग्रामीण विधिवत रूप से नहीं बांटा जा रहा है जबकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा खाद्यान्न प्रदान किया जाता है जोकि ग्रामीणों को ना आवंटित करके अन्य लोगों को दुगने दाम पर बेज दिया जाता है शिकायत करने पर ग्रामीणों के साथ अभद्रता करता है मारपीट करता है और धमकियां देता हैं इसके अलावा विक्रेता राहुल भार्गव अपनी राजनीति पावर और धनबल के चलते दुकान का संचालन नियमानुसार नहीं करता और कई बार इस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा चुके हैं इस संबंध में आज समस्त ग्राम वासियों ने कलेक्ट्रेट में आवेदन के माध्यम से जिला कलेक्टर से आग्रह किया विक्रेता राहुल भार्गव को तत्काल प्रभाव से हटाकर अन्य किसी विक्रेता की नियुक्ति की जाए इस पर जनसुनवाई मैं बैठे अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को तुरंत जांच करने के निर्देश दिए

पूर्व सीएमओ को नहीं दी रिश्वत तो नहीं भेजा आवास की लिस्ट में नाम

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर आवेदन देने आये आवेदन कर्ता भाबना सोनी निवासी बैराड़ ने बताया कि उनके पिता स्व. नन्दकिशोर पुत्र स्व. हरीचरण व माता स्व. गुड्डी बाई पत्नी स्व. नन्दकिशोर की मृत्यु कोबिड - 19 महामारी के चलते हो गयी थी जिसके चलते भावना सोनी, लक्ष्मी सोनी, मोनिका सोनी, जितेन्द्र सोनी अनाथ हो गये व हमारे रहने हेतु कोई स्थान नहीं

बचा था वर्तमान मे भावना सोनी और उसके तीन भाई बहन अपने रिश्तेदार मौसा नारायण सोनी के यहां बैराड़ मे रह रहे है भावना सोनी के रिस्तेदार द्वारा बैराड़ मैं एक मकान के निर्माण हेतु जगह दिलवा दी गई हैं लेकिन नगर पंचायत में आने बाले आवास मैं स्वीकृत हेतु आवेदन किया था लेकिन आवास स्वीकृत सूची मे भावना सोनी के पास पैसे न होने के की बजह से आवास स्वीकार नही हो पाया तथा उस वक्त जो सी.एम.ओ अजीत खान थे वह आवास स्वीकृत करने हेतु पैसों की मांग कर रहे थे पैसे न देने के कारण आज तक न तो सूची मे नाम अंकित हो पाया है और न ही आवास स्वीकृत हो सका है। जिसके संबंध मैं आज भावना सोनी द्वारा जनसुनवाई मैं आवेदन दिया गया संबंधित अधिकारीओ ने तत्काल नगर परिषद बैराड़ सीएमओ को आवास की सूची में नाम दर्ज करने के आदेशित किया गया

भारत मां का हृदय स्थल है मध्य प्रदेश- कपिल परिहार

बदरवास संवाददाता हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदरवास के शिक्षक और विद्यार्थियों ने स्थापना दिवस मनाया जिसमें सर्वप्रथम स्थापना दिवस के अवसर पर मां सरस्वती जी का पूजन किया गया उसके उपरांत छात्राओं ने सरस्वती वंदना के द्वारा मां सरस्वती की आराधना की कार्यक्रम में शिक्षक कपिल परिहार ने बताया कि मध्य प्रदेश भारत का हृदय स्थल है और यहां की पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल, खनिज संसाधन आदि पूरे देश भर में अपना एक विशेष स्थान रखते हैं मध्यप्रदेश की भूमि ऐसी भूमि है जिस पर भूकंप ,बाढ़ आदि किसी भी प्रकार की आपदा से मध्य प्रदेश पूर्णता सुरक्षित रहता है मध्य प्रदेश भगवान महाकाल के महाकाल लोक से भी पूरे देश भर में विख्यात है वही हाल ही में जहां दुनिया में चीतों की संख्या कम हो रही है वही मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो अभयारण्य में 3 चीते मध्यप्रदेश के वनों में विचरण कर रहे हैं, आदि ऐसी बहुत सारी विशेषताएं हैं जो मध्य प्रदेश और मध्य प्रदेश के

वासियों को गौरवान्वित करती है कक्षा 11 की छात्रा शिवानी राठौर ने कार्यक्रम का संचालन किया और मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कामिनी यादव, अश्वनी धाकड़, यज्ञ अवस्थी,सलोनी,पूनम रठौर आदि छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति दी कार्यक्रम में प्राचार्य चंद्रभान श्रीवास्तव में सभी विद्यार्थियों को 67 वें स्थापना दिवस को अविश्वसनीय बनाने के लिए सबको मध्यप्रदेश के लिए कम से कम एक एक पौधा रोपित करने का आग्रह किया और इस आग्रह पर सभी छात्राओं ने अपनी सहमति प्रदान की कार्यक्रम में चंद्रवीर सिंह सेंगर, ममता श्रीवास्तव, बसंती मिंज चंपालाल ओझा, लक्ष्मण राठौर ,श्री कृष्ण सुमन ,नावेद अली हाशमी, नीतू श्रीवास्तव, शालिनी श्रीवास्तव, चंपालाल कुशवाह, संतोष ओझा, बलराम परिहार तथा सैकड़ों छात्रायें उपस्थिति

केडीबीएम रासेयो इकाई द्वारा मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

पुष्पांजली टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज–केडीबीएम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस रूप में मनाया गया जिसमें एकता का सन्देश देने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय इकाई द्वारा रन फ़ॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रांगण से होते हुए मुख्य चौराहा छत्री से होते हुए शासकीय लालबहादुर शास्त्री महाविद्यालय के पास रन फ़ॉर यूनिटी का समापन हुआ। डायरेक्टर श्री मति श्वेता आनन्द त्यागी ने बताया भारत सिर्फ एक भौगोलिक इकाई नहीं है बल्कि आदर्शों, संकल्पनाओं, सभ्यताओ संस्कृतियो के उदार मानकों से परिपूर्ण राष्ट्र है। धरती के जिस भू-भाग पर हम 130 करोड़ से अधिक भारतीय रहते हैं, वो हमारी आत्मा का,

हमारे सपनों का, हमारी आकांक्षाओं का अखंड हिस्सा है। सैकड़ों वर्षों से भारत के समाज में, परंपराओं में, लोकतंत्र की जो मज़बूत बुनियाद विकसित हुई उसने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को समृद्ध किया है। लेकिन हमें ये भी याद रखना है कि नाव में बैठे हर मुसाफिर को नाव का ध्यान रखना ही होता है। हम एक रहेंगे, तभी आगे बढ़ पाएंगे, देश अपने लक्ष्यों को तभी प्राप्त कर पाएगा और भारत देश की सबसे बड़ी सुंदरता का भाव भी अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता है मैं निहित है ।

केडीबीएम प्राचार्य शांताराम मराठा ने बताया राष्ट्रीय एकता दिवस के मोके पर युवाओ ने देश भर में एकता,अखंडता ओर आपसी भाई चारे को बनाये के लिए एकता दौड़ का आयोजन किया उन्होंने बताया कि भारत विविधता में एकता का सन्देश देने वाला दुनियाँ का सबसे प्यारा देश है।यही विविधता में एकता ही इस देश की सबसे बड़ी खूबसूरती है ओर ओर हमें इसको बरकरार रखनी है। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी सुजीत कुशवाह ने बताया कि सरदार पटेल हमेशा चाहते थे कि, भारत सशक्त हो, भारत समावेशी भी हो, भारत संवेदनशील हो और भारत सतर्क भी हो, विनम्र भी हो, विकसित भी हो। उन्होंने देशहित को हमेशा सर्वोपरि रखा। आज उनकी प्रेरणा से भारत, बाहरी और आंतरिक, हर प्रकार की चुनौतियों से निपटने में पूरी तरह से सक्षम हो रहा है। पिछले 7 वर्षों में देश ने दशकों पुराने अवांछित कानूनों से मुक्ति पाई है, राष्ट्रीय एकता को संजोने वाले आदर्शों को नई ऊंचाई दी है। कार्यक्रम में शिक्षक भागीरथ पटेल,मोकम नायक स्वयंसेवक सिमरण ठाकुर,संध्या, दीप्ति,राधिका,अभिषेक सोनिका,मोनिका,निशा सोनिका, आदि उपस्थित रहे।

विहिप बजरंग दल ने पूजन अर्चना तिल गुड़ खिलाकर कर मनाई गोपाष्टमी

विदिशा सिरोंज गोपाष्टमी के पावन पर्व पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा तात्या टोपे नया बस स्टेंड पर गौ माता की पूजन अर्चना कर तिल गुड़ खिलाकर मनाई और संगठन ने संकल्प लेते हुए गौ माता की रक्षा करेंगे और राष्ट्रीय पशु गौ माता को बनाया जाए ऐसा हम सब संघठन जल्द ही निश्चय करेगा गोपाष्टमी पर संघठन के विभाग। सा. स. प्रमुख राकेश सक्सेना , जिला संयोजक जगदीश शाक्य, जिला प्रिंट मीडिया प्रमुख प्रदीप राठौर, जिला मठ मंदिर प्रमुख विनोद शर्मा, प्रखंड से अध्यक्ष अनिल राठौर, संयोजक आदेश बड़सरे, सह मंत्री अशोक साहू, पावन शर्मा , नितेश प्रभाकर, देवेंद्र चंदनकर , धर्मेंद्र , झार सिंह, गोलू यादव , भानु , आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहें

युद्ध कला में निपुण भारतीय स्त्रियाँ

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिलीप कुमार मिश्रा लेखक एवम साहित्य साधक से प्राप्त प्रेषण अनुसार कैकेयी से लेकर रानी लक्ष्मी बाई तक और लक्ष्मी बाई से लेकर इंदिरा गांधी तक और इंदिरा जी से लेकर आधुनिक ÷अग्नि पथिका÷ भारतीय नारियों के युद्ध कौशल और शौर्य का इतिहास पुरूषों से कम उज्जव और उत्कर्ष वर्धक नहीं है ? वल्कि अनेक बार तो भारतीय नारियाँ अपने शौर्य और युद्ध कौशल की वजह से पुरुषों से भी अग्रणी और अग्रिम पंक्ति में खड़ी दिखतीं हैं 7 इनमें से एक थी भगवान योगेश्वर॓ श्री कृष्ण की पत्नी महा योद्धा और युद्ध व्यूरचना में प्रवीण सत्यभामा जी 7

इस चित्र को देख कर आपको लगेगा कि यह नरकासुर वध के लिए गए श्रीकृष्ण और उनकी पत्नी सत्यभामा का यह सामान्य चित्र है। नरकासुर के छोड़े हुए अस्त्र को भेदकर दूसरा वार करने के लिए तैयार सत्यभामा के भावों को देखकर लगता है यह वार निर्णायक होगा। सत्यभामा दिखने में जितनी सुंदर है युद्धकला में उतनी ही निपुण भी है और जरा श्रीकृष्ण को तो देखिए, नीचे गरुड़ पर बैठे है। बाण छोड़ने के बाद झटका लगने से सत्यभामा का संतुलन न बिगड़े इसलिए अपने पैर से सत्यभामा का पिछला पैर अडा रखा है 7 श्रीकृष्ण के हाथ में विश्व का सबसे अचूक मारक अस्त्र सुदर्शन चक्र है। किंतु जब पत्नी युद्ध कर रही है, कृष्ण स्वयं आड़ लेकर बैठे है और पत्नी के युद्ध कौशल को देखकर श्रीकृष्ण बलिहारी है, उसे कौतुक से देख रहे है।

सनातन धर्म के इतर विश्व के किसी पंथ, संप्रदाय, विचारधारा में नारीवाद के ऐसे मुक्त विचार का उदाहरण नहीं मिलता है, जहाँ स्त्री पुरुष स्वतंत्र भी है और परस्पर पूरक भी 7 जहाँ नारी व्यक्तित्व भी है, व्यक्ति भी 7 जहाँ पुरुष स्त्री की स्वतंत्रता से विस्मित भी है और उसका आधार भी 7 कितना सुंदर विचार 7 कैसा अद्भुत आध्यत्म दर्शन है सनातन धर्म में और उसके जीवनी में 7 कितना कुछ है है हमारे धर्म में, संस्कृति में जिस पर हम गर्व कर सकें। बस विषैले नरेटिव्स से परे सत्य देखने समझने की नजर और इच्छा होनी चाहिए 7 आज जहाँ विश्व में हिज़ाब पर हाहाकार और इससे पीड़ित नारियों में आक्रोश हैं वहीं भारत का सनातन धर्म कहता है कि ÷ जिस जगह नारियों की पूजा होती है वहा देवता निवास करते हैं 7 ÷ विश्व में जहाँ एक ओर तीन तलाक और चार चार विवाह को शरिया के अनुसार जायज बताया गया है, वही भारत का सनातन पुरूष पुरूषोत्तम श्री राम अपनी एक पत्नी को आततायी यवन राक्षस रावण से छुड़ाने के लिए सागर की छाती पर सेतु का निर्माण कर विश्व को अचंभित कर देते हैं और विश्व को रामसेतु का आश्चर्यजनक धरोहर दे देता है 7 भारतीय नारियाँ आज के डिजिटल प्लेट फार्म पर और इस अंध युग में भी अपनी वैशिष्ट्यपूर्ण जीवन जी कर विश्व को आश्चर्य कर रहीं हैं 7 शत् शत् नमन् वीरंगना कैकेयी, सत्यभामा और वीरांगना लक्ष्मीबाई से लेकर प्रियदर्शनी शहीद इंदिरा गांधी तक भारतीय नदियों को जिनने नरश्रेष्ठ नरोत्तम नारायण को भी अपनी कौख से जन्म दिया।

छठ महापर्व के अवसर पर ब्राह्मर्षि समाज हजारीबाग ने झील परिषर में दूध एवं नारियल वितरण किया

पुष्पांजली टुडे आनन्द शाही स्टेट हेड

हजारीबाग॓ छठ महापर्व के अवसर पर हजारीबाग झील परिसर स्थित त्रिमूर्ति चौक के समीप स्वामी सहजानंद सेवा संस्थान, हजारीबाग (ब्रह्मऋषि समाज) द्वारा शाम और सुबह के अर्घ्य के दौरान श्रृद्धालुओं के बीच अर्घ्य के लिए दूध और पूजन सामग्री का वितरण किया। सहजानंद सेवा संस्थान अपने सामाजिक कार्यों के साथ प्रतिवर्ष धार्मिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाता है और छठ महापर्व के अवसर पर परिसर में श्रृद्धालुओं के सेवा में तत्पर दिखता है । इस शिविर को सफल बनाने में ब्रह्मऋषि समाज के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन सिंह, सचिव कन्हैया शर्मा, दिनेश सिंह, विनोबा जी, संजीव कुमार (नुनु जी), सुधीर शर्मा, आदित्य सिंह, मनोज शर्मा, हरिनंदन सिंह, हिटलर शाही, डॉ.आनंद शाही, अजय शर्मा, सीडी सिंह,अजय सिंह, इंजीनियर अमन, सदर विधायक मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य लोगों ने सराहनीय भूमिका निभाई ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

मोनू बाथम, पुष्पांजली टुडे

भिंड – भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा निराश्रित भवन पर मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर बुजुर्गों को फल–बिस्किट वितरण कर एवम पौधारोपण कर मनाया गया।इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई थी, हमें गर्व है कि हम मध्यप्रदेश के निवासी है क्योंकि हमारा मध्यप्रदेश हमारे देश का हृदय प्रदेश है। आज के पावन पर्व पर हम सब अपने प्रदेश को पर्यावरण शुद्ध रखने के लिए संकल्पित है एवं समाज को एकजुट रखने का संदेश भी जन जन पहुंचे। और भारतीय जनता किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष सिंह मसूरी ने कहा कि मध्यप्रदेश अन्य राज्यों की अपेक्षा विकास के नए–नए आयाम छू रहा है और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार मध्यप्रदेश को स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने की ओर संकल्पित है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष टीपू भदोरिया, अमित जैन, शेरू पचौरी, मंडल महामंत्री राजीव उपाध्याय, प्रशांत सोनी, भूपेंद्र ओझा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय हलधर किसान यूनियन ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर पुष्पांजलि टुडे

एटा भारतीय हलधर किसान यूनियन ने आज दिन मंगलबार को किसानो और जनमानस की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय के नाम दिया, जिसको अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने लिया, जिसमे डीएपी की 12000 मेट्रिक टन की खपत है अगर अब तक 3000 मेट्रिक टन ही उपलब्ध हो पाई है जिला एटा मे, जिससे किसानो की बुवाई बाधित हो रही है। किसान पहले से ही सूखा व अतिवर्षा से प्रभावित है इसलिये इसकी जल्द उपलब्धता कराई जाए, और माननीय मुख्यमंत्री के आदेशानुसार किसानो की खेती का नुकसान का मुआवजा लेखपालो द्वारा किया जाना है किन्तु लेखपाल अपना कार्य मौके पर न जाकर घर बैठकर ही अधिकतर रिपोर्ट लगा रहे जिससे किसानो को मुआवजा सही से नही

मिल पा रहा है। ज्ञापन साजन देव वार्ष्णेय (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा) की अध्यक्षता में दिया गया उन्होने कहा कि फसल बीमा बैंक द्वारा के.सी.सी. के समय दर्जकर प्रीमियम काट लिया जाता है। और उसी समय दर्ज फसल को ही दर्शाकर दिखा दिया जाता है। जिसे पूर्व खतौनी में दर्ज फसल को ही लेखपाल रिपीट कर देते हैं जिससे आपदा की स्थिति में खतौनी में दर्ज फसल के आधार पर ही बीमा का भुगतान होता है। जबकि बैंक के मैनेजर द्वारा और कोई फसल दर्ज कर दी जाती है। वहीं भारतीय किसान हलधर यूनियन व्यापारी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता ने एटा में सड़को की टूटी फूटी जर्जर हाल को लेकर कहा की बुरी हाल सड़को पर धूल उड़ती रहती है जिससे जन मानस में बीमारीया उत्पन्न हो रही है और आए दिन दुर्घटना होती रहती है। अगर इनको जल्द से जल्द निर्माण नही कराया गया तो हम धरने पर बैठने को मजबूर होगें। उपस्थित यूनियन में सुधीर राघव (राष्ट्रीय प्रवक्ता), अजीत प्रताप सिंह (प्रदेश सचिव), संजीव शर्मा प्रदेश प्रवक्ता, जय प्रकाश यादव,उमेश गुप्ता, प्रशान्त गुप्ता, वैभव कैलानी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, पवन सोलंकी, रोहित सिसोदिया, अनुज चौहान, संजीव चौहान, अंकित यादव, संजीव शर्मा, आदि भारतीय हलधर किसान यूनियन के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

अम्बाह क्षत्रपाली बिकलांग गौशाला ने गोपाष्टमी के अवसर पर शहर के मुख्य मार्गों से रैली निकाली गई तथा गौशाला में गौ माता का पूजन कर गोपाष्टमी मनाई...

केशव पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... अम्बाह आज गोपाष्टमी के पावन अवसर पर क्षत्रपाली हनूमान बिकलांग गौशाला से एक भव्य रैली निकाली गई जो दाऊ की कोठी से होकर, पुराने बाजार मन्शापूर्ण हनूमान मंदिर रोड, सदर बाजार गंज, सब्जी मंडी रोड, पीपल चौराहे से पोरसा चौराहा , रोड होते हुए गौशाला पर संपन्न हुई यहां बाबा त्रिश्ती महाराज व अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया जी द्वारा गौ माता की पूजा की गई तथा गौ माता को गुड़ कैला खिलाया गया गौशाला में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें अम्बाह एसडीएम व नगरपालिका अध्यक्ष व परिषद के पार्षदगण व बजरंग दल के सदस्य शामिल हुऐ अम्बाह एसडीएम ने गाय के पालन करने से गाय के पंचगव्य से मिलने वाले लाभ से सभी को अवगत कराया व गौशाला मे सेवा भाव से कार्य करने बाले गोसेबको का शॉल पहनाकर सम्मान किया

धूमधाम से निकली गोपाष्टमी की रैली लोगों ने आटा गुड़ खिलाकर किया गौ पूजन

अम्बाह गोपाष्टमी के अवसर पर सभी महानुभावो का माल्यार्पण कर रोरी से तिलक कर आटा गुड़ खिलाकर गौ पूजन किया गौ सेवा सदन में मुख्य रूप से एसडीएम राजीब समाधिया नगरपालिका अध्यक्ष जिनेश जैन जनपद अध्यक्षिका के पिताजी रामहरी तोमर डा. नारायण हरी शर्मा डा. प्रकाश शर्मा डा. बंगाली बन्टी गुधैनिया एवं नगरपालिका परिषद के पार्षद गण व समाजसेवी आदि उपस्थित रहे

खोड भाजपा मंडल स्तर पर किसान मोर्चा का किया गया विस्तार

पुष्पांजली टुडे
नरेश कुमार सिरवी

रानी पाली भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अशोक भड़ाना भाजपा पाली जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत भाजपा खोड़ मंडल अध्यक्ष हुकमसिंह खरोकड़ा एंव भाजपा खोड़ मंडल किसान मोर्चा अध्यक्ष जेठाराम सीरवी ने घोषित की कार्यकारिणी जिसमें उपाध्यक्ष पद पर छोगसिंह मांडल रामसिंह नादाना भाटान महामंत्री पद पर जगतसिंह बालराई सोहनसिंह भोपाजी चांचौडी मंत्री पद पर समाराम जणवा खोड़ गंगासिंह राजपूत खूनी गुड़ा शैतानसिंह चांचौडी मनोहरसिंह बूसी कोषाध्यक्ष पद पर धनाराम चांचौडी आईटी सेल पद पर नेनाराम प्रतापगढ़ मीडिया प्रभारी पद पर हड़मतसिंह निम्बाडा कार्यालय प्रभारी के लिए प्रवीणसिंह चारण सेदरिया एंव सदस्यों के रूप में चंपालाल चांचौडी छोटूसिंह राजपूत नवा गुड़ा शांतिलाल मांडल परबतसिंह चांगवा मगसिंह नादाना भाटान धनाराम लचेटा किरवा चुन्नीलाल कुमावत बालराई मोतीलाल लोहार खरोकड़ा को कार्यकारिणी में सम्मिलित कर पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई साथ नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एंव सदस्यों से सामाजिक जीवन में उच्च आदर्शो का पालन करने का भी आव्हान किया

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के तत्वावधान में इंगित बाल साहित्यकार गोष्ठी का गूगल मीट पर ऑन लाइन आयोजन

मेरा मध्य प्रदेश देश का तू हृदय प्रदेश

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा के तत्वावधान में इंगित बाल साहित्यकार गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर ऑन लाइन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार ? दिलीप मिश्रा जी ने की और मुख्य अतिथि के रूप में कवि राम चरण चिराड़ ÷रुचिर÷ आसंदी पर विराजमान थे।कार्यक्रम का संयोजन कवियत्री कवियत्री संगीता गुप्ता ने किया।इस गोष्ठी का संचालन वंशिका अग्रवाल ने किया। सरस्वती वंदना अनाया गुप्ता ने की एवं कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन श्रुति सिरोठिया ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने कहा ÷ कि हम इस कार्यक्रम में आकर अपने बचपन में पहुंच गये हैं।÷ मुख्य अतिथि रामचरण÷ रुचिर ÷ने कहा ÷कि हमें ऐसी अनुभूति हो रही है जैसे हम किसी बाग में आ गये हैं। इस अवसर पर उन्होंने नीति के दोहे सुनाए ÷ सत्संगति जो जन करें, मन पावे सुख मेल ।

पर निंदा से मुक्त हो, तजें बैर विष बेल ।??।÷

सुखमय जीवन है वही, मन में हो संतोष ।
अहंकार मत मोह तजि राह चलें निर्दोष।?।

संगीता गुप्ता ने ÷ लाल -लाल ये प्यारे-प्यारे, बालगीत सुनाया।सभी सहभागियों ने बहुत आनंदमय काव्यपाठ किया।

बाल कवियों ने इस प्रकार प्रस्तुतियां दीं?।

÷मेरे मध्यप्रदेश,
देश का तू हृदय प्रदेश,
भीमबेटका तुझ पर स्थित,
तेरी ही देन तानसेन का संगीत।÷
वंशिका अग्रवाल

मम्मी कहती बनो डॉक्टर,
पापा कहते अफसर।
पूर्ति सिरौठिया

कितना सुंदर ,कितना प्यारा अपना मध्य प्रदेश ।
रंग-बिरंगी संतति इसकी, रंग-बिरंगे वेश।।
आदित्य शर्मा

दीपावली का त्यौहार है आया।
खुशियों की सौगात है लाया।
श्रुति सिरोठिया

खुशियों भरा परिवार है सबसे सुंदर सबसे न्यारा।
अनाया गुप्ता

कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा।

रामचरण÷ रुचिर÷
प्रचार प्रसार मंत्री,
मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर

आईमाता सीरवी सेवा संघ का दीपावली स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे/ नारायणलाल सेंणचा ब्यूरो सीफ

बेंगलूरु आईमाता सीरवी सेवा संघ का दीपावली स्नेह मिलन जोगरहल्ली मागड़ी रोड स्थित आईमाता धाम में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ धाम में आईमाता की तस्वीर के समक्ष पूजा अर्चना के साथ हुआ । अध्यक्षता भंवरलाल चोयल ने की । सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट के अध्यक्ष शोभाराम चोयल ने सेवा संघ के कार्यों की सराहना की । चोयल ने युवाओं को खेलकूद एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया । पारंपरिक वेशभूषा में आई महिला मंडल ने घूमर नृत्य प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में चढ़ावे बोले गए । तिलक की बोली मिश्रीलाल , हार की बोली रुगाराम गहलोत , आरती की बोली ताराराम गहलोत, महाप्रसाद की बोली सांस्कृतिक समिति के सदस्यों एंव बसों की बोली सेवा संघ के ग्रूप लीडर्स ने लिया ।सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट वडेर के सचिव नारायणलाल लचेटा ने कहा कि सेवा संघ के युवाओं ने हमारे समाज के विशेष मुकाम हासिल किया है ।कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा के पाली जिलाध्यक्ष हेमतंकुमार सेपटा का सम्मान किया गया ।इस अवसर पर सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट के सह सचिव दलाराम देवड़ा, कोषाध्यक्ष सुजाराम पंवार, पूर्व उपाध्यक्ष दलाराम लचेटा, चुन्नीलाल काग, अमराराम चोयल, अनाराम, पनालाल भायल, भंवरलाल सोलंकी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

चोरी या डबल मनी॓ ग्रामीणों के हत्थे चढ़े युवकों को किया पुलिस के हवाले

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी अन्तर्गत ग्राम सिरेगांव में चोरी करने के इरादे से गये चोरों की ग्रामिणो ने पकड़कर धुलाई कर एवं उन्हे पुलिस के हवाले किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। इस संबध में पुलिस के द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर चोरो को हिरासत मे लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष पिता तुकाराम कालबेले उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम सिरेगांव ने पुलिस थाना पंहुचकर बताया की 31 अक्टुबर की रात्रि 12॓30 बजे मेरे निवास स्थान से कुछ दुरी पर वाहन रूकने की आवाज आई तथा दरवाजे पर किसी की आहट सुनाई दी, फिर कुछ समय बाद खिडकी का ग्रिल तोडने की आवाज आने पर मैने गांव के महेश कालबेले को फोन किया तो कुछ समय बाद गांव वाले महेश कालबेले, चित्रसेन कालबेले तथा गांव अन्य लोग आये जिन्होने घेराबंदी कर तीन लोगो को पकड़ लिया जिनका नाम पता पुछने पर संतोष सहारे निवासी कोसमी, तोमेश

नगपुरे निवासी कोसमी, कमल पारधी निवासी परापानी हट्टा को होना बताया गया है, इन तीनो को ग्रामिणो ने पकडकर पुलिस के हवाले किया है पुलिस के द्वारा उक्त तीनो आरोपियो सहित अन्य 3 ऐसे कुल 6 लोगो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 394/22 धारा 457, 511, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

15 दिन पूर्व ग्राम में मेरा नाम पुछ रहे थे चोर- संतोष कालबेले: रात 12॓30 बजे की घटना हैं, दो गाड़ी से अज्ञात लोग आए। इससे पहले कृपाल कालबेले और बुधराम कालबेले के यहां चोरी करने

घुस चुके थे। उसके पहले जानकारी हुई की मेरा नाम पुछ रहे थे कि संतोष कालबेले टाईल्स लगा रहा है उसके यहां पैसे दबा है, नाम व पता पूछे और उस दिन तो डर के कारण चले गए थे लेकिन 31 अक्टूबर की रात्रि को लगभग 12॓30 बजे 2 फोर व्हीलर वाहन से आए थे, गाड़ी को घर के पास ही रख कर घर में घुस गए। घर में आने से पहले बाहर लगे बल्ब को निकाल दिए उसके बाद खिडक़ी का ग्रील तोड़े, और दरवाजा को बाहर से बंद कर दिए। पहले से ही चोरी की आशंका थी इसलिए लडक़े को मैं बाहर ही सुलाता था। इस तरह की हरकत देखकर लडक़े ने आसपास के लोगों को फोन कर दिया। फिर सभी लोग दौड़ कर घेराबंदी कर लिए। फिर भी चोर इधर उधर भाग कर छुप गए थे। इसके बाद कुछ लोगों ने कृष्ण मंदिर के लाउडस्पीकर से अलाउंस करके सूचना दी गई, फिर पूरा गांव में जाग गया। फिर चोरों को ढूंढ कर पुलिस के वाहन के माध्यम से थाना भेज दिया गया।

अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया मामला- एसडीओपी आर्मो: उक्त प्रकरण में लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने कहा की सिरेगांव मे 31 अक्टुबर एवं 1 नवंबर की मध्य रात्रि को सूचना प्राप्त हुई थी की कुछ लोग संतोष कालबेले नामक व्यक्ति के घर पर आये है संतोष कालबेले ने ग्रामिणो को सूचित किया एवं सभी इकठ्ठा हो गये कुछ लोग वंहा से भाग गये और कुछ लोगों को ग्रामिणो ने रोक कर रखा एवं तत्काल पुलिस को जानकारी दी, रात्रि मे पुलिस लगभग दो बजे पंहुची।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

विकास के हर क्षेत्र में प्रदेश ने कीर्तिमान स्थापित किए हैं : मंत्री तुलसी सिलावट

समारोहपूर्वक मना मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

प्रभारी मंत्री सिलावट के मुख्य आतिथ्य और सांसद शेजवलकर की अध्यक्षता में ;जिला स्तरीय समारोह आयोजित

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं और हितग्राहियों को बाँटी गई सहायता

ग्वालियर। देश के हृदय में स्थित मध्यप्रदेश तेजी के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, हर घर नल से जल, महिलाओं का सशक्तिकरण, जरूरतमंदों को पक्के घर और महिला सशक्तिकरण सहित विकास के सभी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास के कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। इस आशय के विचार जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बाल भवन में आयोजित हुए जिला स्तरीय समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने इस अवसर पर आह्वान किया कि स्वच्छ, शिक्षित एवं विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के लिये सभी लोग एकजुट होकर काम करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने की।

सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले में भी मध्यप्रदेश स्थापना दिवस जन उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। स्थापना दिवस पर यहाँ बाल भवन में आयोजित हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं अन्य अतिथिगणों ने प्रधानमंत्री स्व-निधि, आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना, मुख्यमंत्री घरेलू कामकाजी महिला कल्याण योजना तथा सरकार की अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत लगभग डे? दर्जन हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप सहायता राशि एवं हितलाभ वितरित किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सिंचाई सुविधाओं में मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक विस्तार हुआ है। वर्ष 2003-04 में जहाँ प्रदेश में मात्र 7 लाख हैक्टेयर रकबे में सिंचाई होती थी वह अब ब?कर 45 लाख हैक्टेयर हो गया है। वर्ष 2025 तक 65 लाख हैक्टेयर रकबे में सिंचाई सुविधा मुहैया कराने के लक्ष्य को लेकर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार एवं किसान हितैषी योजनाओं की बदौलत प्रदेश को 7 कृषि कर्मण अवार्ड मिल चुके हैं।

माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का जिक्र करते हुए प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सरकार ने एक साल के भीतर लगभग 21 हजार एक? जमीन भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराई है। साथ ही शराब, मिलावटखोर, खनन, चिटफंड व भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है। आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और समापन राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गान के साथ हुआ। आरंभ में शहर की उदयीमान शास्त्रीय नृत्यांगना सुश्री समीक्षा कुशवाह ने मनोहारी कथक नृत्य की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया।

सड़कों के संधारण और स्ट्रीट लाईट के सुधार का कार्य युद्ध स्तर पर हो : सिलावट

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। शहरी क्षेत्र में सड़कों के संधारण, स्ट्रीट लाईट तथा अमृत योजना के तहत जहाँ सड़कें खराब हुई हैं उनको ठीक करने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में भी सार्थक कार्य किया जाए। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंगलवार को बाल भवन में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस प्रशासन और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ बैठक में यह निर्देश दिए।

बाल भवन में शहर विकास के लिये किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने यह भी कहा है कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और स्मार्ट सिटी आपस में समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति प्रदान करें। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल, एडीएम इच्छित गड़पाले, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती नीतू माथुर, नगर निगम के अपर आयुक्त अतेन्द्र गुर्जर, मुकुल गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने स्मार्ट सिटी की सीईओ को निर्देशित किया है कि स्मार्ट सिटी के माध्यम से सड़क निर्माण का जो कार्य गतिशील है उसे एक माह में पूर्ण करें। इसके साथ ही अन्य जो कार्य किए जा रहे हैं उसको भी समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी के द्वारा किए जा रहे कार्यों से आम लोगों को भी महसूस होना चाहिए कि वे स्मार्ट सिटी में रह रहे हैं।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल को भी कहा है कि शहर की सड़कों के संधारण का कार्य तेज गति से किया जाए। इसके साथ ही जो नई सड़कें निर्मित की जा रही हैं उनको भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। पेंच रिपेयरिंग का कार्य भी तेज गति से किया जाए। जो सड़कें गारंटी पीरियड में हैं उनके संधारण का कार्य ठेकेदारों के माध्यम से शीघ्र कराया जाए। स्ट्रीट लाईट की शिकायतों के निराकरण के लिये प्रभावी सिस्टम बनाने के साथ ही तेज गति से संधारण का कार्य भी किया जाए। आगामी एक माह के अंदर सड़कों के संधारण और स्ट्रीट लाईट की समस्या का निदान हो यह सुनिश्चित किया जाए।

मटमैले पानी की शिकायत का हो शीघ्र निराकरण

प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि शहर के कई क्षेत्रों से मटमैला आने की शिकायत मिल रही है, इसका निदान नगर निगम का अमला शीघ्र करे। हर संभव प्रयास कर शहर के नागरिकों को स्वच्छ जल वितरित हो यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिये जल संसाधन विभाग से जो भी मदद की आवश्यकता है वह उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पेयजल सप्लाई के समय निगम का मैदानी अमला अनिवार्यतः क्षेत्र में रहे और कहीं से भी मटमैला पानी मिलने की शिकायत मिलती है तो तत्काल पहुँचकर उनकी समस्या का निदान हो यह भी सुनिश्चित किया जाए।

डब्ल्यूटीपी तिघरा पर हुआ लीकेज संधारण कार्य में लगा अमला

जाम हुए सीवरों की शहर में हो रही सफाई

ग्वालियर। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तिघरा के पास पानी की लाइन में लीकेज हो गया। लीकेज की सूचना मिलने पर पीएचई का अमला मौके पर पहुंचा और संधारण कार्य किया गया। वहीं शहर में जाम हुए सीवरों की पीएचई अमले द्वारा सफाई की गई।

कार्यपालन यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देश पर जल प्रदाय एवं सीवर संधारण के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत आज तिघरा स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर पानी की लाइन में लीकेज हो गया था। लीकेज की सूचना मिलने पर पीएचई के अमले ने लाइन के लीकेज को ठीक किया। इसके साथ ही हनुमान पहाडी स्थित पानी की टंकी की शटडाउन लेने के बाद सफाई की गई। इससे शहरवासियों को निर्बाध रूप से पानी की सप्लाई हो सकेगी। वहीं जती की लाइन वार्ड क्रमांक 5, बम भोले की बगिया वार्ड क्रमांक 6, गंजी मोहल्ला देव नगर वार्ड क्रमांक 53, जीवाजी नगर वार्ड क्रमांक 22, बैंकर कालोनी अलका पुरी, आदि में सीवर की लाइनों एवं चेंबरों को साफ किया गया।

सभी वार्डों में तेज गति से होगा मूलभूत सुविधाओं का विस्तार: महापौर

वार्ड 50 में 82 लाख रूपये की लागत से सडक डामरीकरण कार्य का भूमि पूजन

ग्वालियर। शहर के सभी वार्डों में विकास एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार तेज गति से होगा। शहर के सभी नागरिकों को पर्याप्त व स्वच्छ पानी, अच्छी सडकें एवं अन्य सुविधाओं के लिये नगर निगम ग्वालियर लगातार कार्य कर रहा है। उक्ताशय के विचार महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने आज वार्ड 50 सेंट्रल लाइब्रेरी से लाला का बाजार चैराहा तथा बिठ्ठल मार्केट मंदिर के सामने से बनने वाली सडक डामरीकरण कार्य के भूमि पूजन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

वार्ड क्रमांक 50 सहित आसपास के क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा के लिये लगभग 82 लाख रूपये की लागत से किये जा रहे सडक डामरीकरण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर विधायक दक्षिण विधानसभा श्री प्रवीण पाठक, सभापति श्री मनोज सिंह तोमर, क्षेत्रीय पार्षद श्री अनिल सांखला, श्री मोहित जाट, श्री संजीव पोतनीस, सीसीओ श्री कीर्तिवर्धन मिश्रा, सीओ श्री अनिल चैहान एवं क्षेत्राधिकारी श्री सतेन्द्र सिंह सोलंकी सहित क्षेत्रीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक श्री पाठक ने कहा कि क्षेत्र की सडकें बन जाने से यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा क्षेत्र के नागरिकों को सुविधा होगी। सभापति श्री तोमर ने कहा कि नगर निगम ग्वालियर द्वारा सभी वार्डों में तेजी से विकास कार्य किये जा रहे हैं। क्षेत्र के नागरिकगण भी अपने शहर ग्वालियर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिये अपनी सहभागिता करें और सडक पर कचरा न फेंके।

माता-पिता की सेवा से उत्तम तीर्थ कोई नहीं : पं.घनश्याम शास्त्री

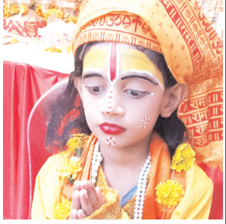

ग्वालियर। हैदर गंज स्थित सोलंकी धर्मशाला में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं.घनश्याम शास्त्री महाराज ने कहा कि माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं। मां की ममता से ब?ी कोई ममता नहीं होती होती। माता-पिता की सेवा ही हमें हर कार्य में आगे बढ़ाती है भगवान की लीलाएं हमें सही मार्ग दिशा प्रदान करती है। इसलिए इस तरह के धार्मिक आयोजन किये जाते है। ताकि संतों की वाणी से लोगों को सही दिशा मिल सके महाराज ने बताया कि भक्त प्रह्लाद और ध्रुव ईश्वर के प्रति अटल विश्वास, भक्ति और सत्य की प्रतिमूर्ति हैं। दोनों ने माया-मोह छो?कर एक ही आधार भगवान विष्णु को अपना आराध्य माना। उनकी भक्ति में इतनी शक्ति थी कि उनकी रक्षा के लिए स्वयं श्रीहरि विष्णु ने मृत्युलोक में कदम रखा था। वह हरि के सच्चे भक्त हैं। प्रभु की भक्ति करनी है तो इन दोनों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए शास्त्री जी ने कहा कि प्रभु की भक्ति करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है उन पर अटूट विश्वास। प्रह्लाद और ध्रुव ने प्रभु पर अटूट विश्वास करते हुए भक्ति का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया। दोनों ही कठोरतम दंडों और यातनाओं से भी नहीं डरे और ईश्वर की आराधना करते रहे। ठीक उसी प्रकार हमें भी जीवन के संकटों से नहीं डरना चाहिए और भगवान पर विश्वास कर उनकी आराधना में लीन होना चाहिए। भगवान भक्तों की सच्ची पुकार सुनकर निश्चित ही उन पर कृपा बरसाते हैं। वर्तमान में बच्चों में अच्छे संस्कार के लिए उन्हें भक्त ध्रुव व प्रह्लाद की कथा अवश्य सुनानी चाहिए। इससे उनमें अच्छे भाव व संस्कार जन्म लेते हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से कथा के परीक्षित कमला शिवनाथ चौहान वार्ड पार्षद धर्मेंद्र जैन,ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष विजय शर्मा घनश्याम शर्मा रामकुमार सोनी ने भागवत भगवान जी की आरती उतारी।

संक्षिप्त समाचार

5 घंटे में पकड़े 112 गुंडे, 26 स्थायी वारंटी

ग्वालियर पुलिस ने आधी रात खटखटाई बदमाशों के घरों की कुंडी

ग्वालियर। मुरार सर्कल में पुलिस ने सोमवार रात कॉम्बिंग गश्त की है। 5 घंटे में 112 गुंडे, 26 स्थायी वारंटी पक?कर वारंट की तामील कराई गई है। एएसपी क्राइम खुद पुलिस बल के मुखिया के तौर पर मौजूद रहे। पहली बार पुलिस ने सोशल मीडिया पर कॉम्बिंग गश्त को लाइव चलाया है। जिसे एएसपी क्राइम राजेश दंडौतिया ने लीड किया। पुलिस ग्वालियर में लगातार कॉम्बिंग गश्त कर रही है। सोमवार रात सड़क से लेकर गली-मोहल्लों में 138 वारंटियों को दबोचा। स्स्क्र ग्वालियर अमित सांघी ने बताया कि वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए गश्त के दौरान पुलिस ने 202 पुराने बदमाशों के घर की कुंदी खटखटाकर पता लगाया कि वह आज-कल क्या कर रहे हैं, उनका घर कैसे चल रहा है। जो बदमाश सटीक जानकारी नहीं दे सका, उसे तुरंत ही थाने लाकर उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई गई। लंबे समय से फरार 138 वारंटी भी दबोचे गए, जिसमें 112 गिरफ्तारी व 26 स्थायी वारंटी शामिल हैं। इसके साथ ही 112 गुंडे भी पकड़े गए हैं।

15 शराब तस्कर भी पकड़े : पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान 15 शराब तस्करों को पकड़कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किए है। दो जगह जुआ भी पकड़ा है। इसके साथ ही दो अवैध हथियारों के साथ और एक बाइक चोर भी चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया है।

अफसरों ने की मॉनीटरिंग : कॉम्बिंग गश्त में एसएसपी अमित सांघी सहित सभी एएसपी व सीएसपी और थाना प्रभारी गश्त की मॉनीटरिंग करते रहे। इसके साथ ही सड़कों पर आवारागर्दी करने वालों से पूछताछ की और जो भी अपने सड़क पर मिलने का उचित कारण नहीं बता सका उसे थाने भेज दिया गया।

सनातन संस्कृति का रक्षक है ब्राह्मण: अनिरुद्ध महाराज

एसडीएम रावत व थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा को परशुराम गौरव सम्मान

ग्वालियर। सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन के लिए भितरवार के कृष्णा लॉज में एसडीएम अश्वनी कुमार रावत को मुख्य आतिथ्य में बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा ने की। इस मौके पर एसडीएम रावत तथा थाना प्रभारी प्रशांत शर्मा को परशुराम गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर धूमेश्वर धाम के महंत अनिरुद्ध वन महाराज ने कहा कि ब्राह्मण सनातन संस्कृति का रक्षक है। हमें अपने समाज के साथ दूसरे वर्गों की भी रक्षा करनी चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्य अतिथि रावत ने कहा कि सरकार कई नियम कानून बनाती है, उसे स्वीकार करना हमारा धर्म है। अगर उसका पालन कर लेंगे तो आपकी अहमियत ब? जाएगी। सरकार कहती है कि छुआछूत अपराध है, तो उसे स्वीकार कर लेना चाहिए। पहले आप उस मार्ग पर चलें तब दूसरे भी उसका पालन करेंगे। स्वागत भाषण परिचय सम्मेलन की संरक्षक मधु भार्गव ने दिया। कार्यक्रम प्रभारी एवं सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा जिलाध्यक्ष कपिल भार्गव ने उपस्थित ब्राह्मण बंधुओं को बताया कि परिचय सम्मेलन के पंजीयन निशुल्क कराए जा रहे हैं, इसमें प्रत्येक व्यक्ति को दो दो भोजन कूपन भी दिए जा रहे हैं। इस अवसर पर समिति के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज, मुख्य संयोजक रामनारायण मिश्रा, अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा, संगठन मंत्री श्यामबाबू शर्मा, कैलाश नारायण पांडे, हरिओम शर्मा, रामस्वरूप दुबे, सियाशरण पांडे, केके पाराशर, लालता प्रसाद मिश्रा, राधाशरण भार्गव, सुदामा भार्गव, बसंत कुमार दुबे, अशोक पचौरी, शिवकुमार पांडे, भूपेंद्र गुबरेली मोनू शर्मा, अनिरुद्ध पांडे, कमलेश दुबे, जुगल किशोर त्रिपाठी, श्याम सुंदर पाठक आदि विप्र बंधु मौजूद थे। संचालन कपिल भार्गव एवं आभार मधु भार्गव ने व्यक्त किया।

दान देकर यदि चुकाया नहीं तो उसका फल नहीं मिलता: अंशु भैया

उपग्वालियर लोहमंडी जैन मदिंर में सिद्धचक्र महामंडल विधान में आज से सिद्धो की आराधना गूँजी

ग्वालियर। मनुष्य जन्म का फल, पूजा, दया, दान, जप, परोपकार है। यहां तीर्थ यात्रा से कम अनुभव नहीं हो रहा है। जिस व्यक्ति ने परोपकार नहीं किया। उसका जीवन व्यर्थ है। ऐसे अनुष्ठान हमारे अंदर प्रसन्नता पैदा करते हैं। यह बात सिद्धचक्र महामंडल विधान के प्रथम दिन मंगलवार को बाल ब्रह्मचारी अंशु भैया ने उपग्वालियर लोहमंडी स्थित श्री लाला गोकुलचंद जैसवाल दिगंबर जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बाल ब्रह्मचारी अंशु भैया ने कहा कि हम विशुद्धि के परिणाम रखते हैं, तो हमारे कर्मों का क्षय होता है। विशुद्धि के माध्यम से हम मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। दान, पूजा, उपवास मुख्य कर्तव्य कहे गए हैं। अपने और पर के अनुग्रह के लिए दान दिया जाता है। दान देकर यदि चुकाया नहीं तो उसका फल नहीं मिलता है। दान बोलकर समय पर दें। भगवान की भक्ति अच्छे से करेंगे, तभी आप के दिन बदलेंगे। भगवान की पूजा, भक्ति हमेशा करते रहे। आप यदि धन संपदा के पीछे भाग रहे हैं, धार्मिक और परोपकार के कार्य नहीं कर रहे हैं, तो समझें अपना जीवन व्यर्थ कर रहे हैं। मंदिर समिति के अध्यक्ष पदमचंद जैन, मंत्री देवेंद्र जैन, दिलीप जैन, नवरंग जैन, मनीष जैन, आलोक जैन, राजुल जैन, आदि मौजूद थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478